शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION

सत्यमेव जयते

शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी)

Maithili-मैथिली

राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक पर मार्गदर्शक निर्देशिका, 2023

पैरा 5.20, एनईपी 2020

राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद द्वारा एनसीईआरटी, एससीईआरटी, सभ स्तर आ क्षेत्रक शिक्षक, शिक्षकक तैयारी आ विकास हेतु संस्थान आ उच्चतर शिक्षण संस्थानक संग परामर्शसँ सामान्य मानक परिषद (जीईसी) केर तहत व्यावसायिक मानक सेटिंग बॉडी (पीएसएसबी) केर रूपमे पुनर्गठित अपन नव स्वरूपमे शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) केर एक सामान्य निर्देशिका वर्ष 2020 धरि विकसित कएल जाएत। मानकमे विशेषज्ञता/ पदक विभिन्न स्तर पर शिक्षकक भूमिका आ ओहि पदक लेल आवश्यक दक्षताक अपेक्षा सभकेँ शामिल कएल जाएत। एहिमे प्रत्येक रैंकमे कएल गेल प्रदर्शनक मूल्यांकनक लेल मानक सेहो शामिल होएत, जे समय-समय पर कएल जाएत। एनपीएसटी सेवा-पूर्व शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रमक रूपरेखाकेँ सेहो सूचित करत। तखन जा कए एकरा राज्य द्वारा अपनाओल जा सकैत अछि आ एहि मानकक आधार पर शिक्षकक कैरियर प्रबंधन होएत जाहिमे कार्यकाल, व्यावसायिक विकासक प्रयास, वेतन वृद्धि, पदोन्नति आ आन पहिचान शामिल होएत। कार्यकाल अवधि वा वरिष्ठताक ठाम पर केवल निर्धारित मानकक आधार पर पदोन्नति आ वेतनमे वृद्धि होएत। प्रणालीक प्रभावकारिताक गहन अनुभवजन्य विश्लेषणक आधार पर, व्यावसायिक मानकक समीक्षा आ संशोधन वर्ष 2030 मे कएल जाएत। एकर पश्चात् ई प्रक्रिया प्रत्येक दस वर्षमे पुनरावृत कएल जाएत।"

“एक उत्तम शैक्षणिक संस्था ओ अछि जाहिमे प्रत्येक छात्रक स्वागत कएल जाइत अछि आ ओकर देखभाल कएल जाइत अछि, जतए एकटा सुरक्षित आ प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण उपलब्ध होइत अछि, जतए सभ छात्रकेँ अधिगमक लेल विविध प्रकारक अनुभव उपलब्ध कराओल जाइत अछि आ अधिगमक लेल आधारभूत ढाँचा एवं उपयुक्त संसाधन उपलब्ध रहैत अछि। ई सभ प्राप्त करब प्रत्येक शिक्षा संस्थानक लक्ष्य हेबाक चाही। संगहि विभिन्न संस्थानक बीच आ शिक्षाक प्रत्येक स्तर पर परस्पर सहज ‘जुड़ाव आ समन्वय’ आवश्यक अछि।”

“A good education institution is one in which every student feels welcomed and cared for, where a safe and stimulating learning environment exists, where a wide range of learning experiences are offered, and where good physical infrastructure and appropriate resources conducive to learning are available to all students. Attaining these qualities must be the goal of every educational institution. However, at the same time, there must also be seamless integration and coordination across institutions and across all stages of education”.

Dharmendra Pradhan
Hon'ble Minister for
Education; Skill Development
and Entrepreneurship
Government of India
Shastri Bhawan
New Delhi-110001

सत्यमेव जयते

धर्मेन्द्र प्रधान
माननीय शिक्षा;
कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री
भारत सरकार
शास्त्री भवन
नई दिल्ली-110001

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 राष्ट्रक शैक्षिक प्रगतिक लेल एक मार्गदर्शक केर रूपमे काज करैत अछि। अपन दूरदर्शी दृष्टिकोणक माध्यमसँ, ई शिक्षक शिक्षा प्रणालीक मार्ग प्रशस्त करैत अछि जे ने केवल ज्ञान प्रदान करैत अछि, अपितु अधिगम, आलोचनात्मक सोच आ रचनात्मकताक लेल उत्सुकता सेहो उत्पन्न करैत अछि। ई एहन गुण अछि जे 21म सदीक चुनौती आ अवसरक लेल शिक्षककेँ तैयार करबा हेतु अपरिहार्य अछि।

भावी पीढीक मस्तिष्ककेँ आकार देबामे शिक्षकक महत्त्वपूर्ण भूमिकाकेँ स्वीकार करैत नीतिमे ई मानल गेल अछि जे शिक्षक लोकनिकेँ आवश्यक उपकरण आ ज्ञानसँ सुसज्जित करब सर्वोपरि अछि। प्रभावी शिक्षण पद्धतिक लेल अपेक्षा आ दिशानिर्देशकेँ रेखांकित क' कए शिक्षाक गुणवत्ता सुनिश्चित करबाक लेल शिक्षकक हेतु व्यावसायिक मानक आवश्यक अछि। ई मानक शिक्षकक कौशल, ज्ञान आ दक्षताकेँ आकार देबामे महत्त्वपूर्ण भूमिकाक निर्वहन करैत अछि।

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) मार्गदर्शक निर्देशिका तैयार केलक अछि, जाहिमे मार्गदर्शक सिद्धान्तक संग्रहण, विशेषज्ञताक विभिन्न स्तर आ व्यावसायिकताक विभिन्न सोपान पर एक शिक्षकक भूमिकामे अंतर्निहित प्रत्याशित उत्तरदायित्व एवं दक्षताकेँ स्पष्ट कएल गेल अछि। एहि प्रकारेँ कुशल एवं व्यावसायिक रूपसँ निपुण शिक्षककेँ तैयार करबाक लेल मानक जकाँ कार्य कए रहल अछि।

हमर ई दृढ़ विश्वास अछि जे एहि निरंतर प्रयाससँ हमरा देशक शैक्षिक परिदृश्यमे सकारात्मक परिवर्तन आओत, जाहिसँ भावी पीढ़ीकेँ लाभ होएत।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

अन्नपूर्णा देवी
माननीय शिक्षा राज्य मंत्री,
शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार

संदेश

शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) शिक्षण व्यवसायक स्तरकेँ बढ़एबा आ सभक लेल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करबाक प्रतिबद्धतामे एक महत्त्वपूर्ण मीलक पाथर स्थापित करैत अछि। एनपीएसटी मार्गदर्शक निर्देशिका शिक्षक, विशेषज्ञ, विशेषज्ञ निकाय आ एहि क्षेत्रक आन हितधारक लोकनिक संग गहन परामर्श, अनुसंधान आ सहयोगसँ तैयार कएल गेल अछि। ई मानक आवश्यक ज्ञान, कौशल आ प्रवृत्तिकेँ समाहित करैत अछि जे 21म सदीमे प्रभावी शिक्षणकेँ परिभाषित करैत अछि। एनपीएसटी मार्गदर्शक निर्देशिका एकटा व्यापक रूपरेखा प्रदान करैत अछि, जे ने केवल शिक्षकक लेल स्पष्ट अपेक्षा सभ निर्धारित करैत अछि अपितु नैतिकता, विषय-ज्ञान आ कैरियर प्रबंधनक लेल साक्ष्य निर्माणमे निरंतर सुधारक संस्कृतिकेँ सेहो बढ़ावा दैत अछि।

हम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) आ सभ हितधारक लोकनिकेँ हार्दिक बधाई दैत छी जे एहि मानकक विकासमे महत्त्वपूर्ण भूमिकाक निर्वहन केने छथि।

संजय कुमार, आईएएस
सचिव,
विद्यालय शिक्षा साक्षरता विभाग,
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020, भारतमे शिक्षाक क्षेत्रमे परिवर्तनकारी सुधार ल' कए आएल अछि। सभक लेल समग्र आ गुणवत्तापूर्ण शिक्षाक लक्ष्यकेँ प्राप्त करबाक लेल, ई नीति शिक्षण व्यवसायक विकास पर विशेष बल देने अछि आ सभ सुधार शिक्षक लोकनिकेँ केन्द्रमे राखिकए कएल गेल अछि। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद एनईपी 2020 केर सभ उद्देश्यकेँ ध्यानमे राखैत अध्यापक लोकनिक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) केँ नीक जकाँ तैयार कएल गेल सामान्य संग्रहकेँ प्राप्त करबाक लेल एकटा व्यापक मार्गदर्शक निर्देशिका विकसित केलक अछि। चर्चा/परामर्शक एकटा शृंखलाक आधार पर आ विभिन्न हितधारक लोकनिक सहयोगसँ, उर्ध्वगामी दृष्टिकोण आ अनुसंधानक विभिन्न स्तरक पश्चात् ई निर्देशिका तैयार कएल गेल अछि।

हमरा आशा अछि जे ई मार्गदर्शक निर्देशिका शिक्षक लोकनिक योग्यताकेँ विकसित करबामे उत्प्रेरक बनत आ हुनका सभकेँ वैश्विक मानकक अनुरूप शिक्षक बनबामे सक्षम बनाओत।

हम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद आ एहि कार्यमे सम्मिलित सभ हितधारक लोकनिकेँ बधाई दैत छी।

संदेश

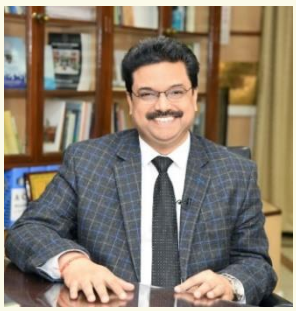

प्रो० योगेश सिंह
अध्यक्ष,
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद,
नई दिल्ली

एनईपी 2020 उच्च गुणवत्ता वला शिक्षण पर जोर दैत अछि, जे शिक्षकक कार्यक्षेत्र आ 21म सदीक कौशल समुच्चयकेँ इंगित करैत अछि। शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) पर मार्गदर्शक निर्देशिकाक विकासक उद्देश्य विद्यार्थी लोकनिक शैक्षिक उद्देश्यकेँ पूर्ण करबाक लेल प्रवीण शिक्षकक सृजन करब अछि। एनपीएसटी अपन कार्य आ आचरणमे उच्चतम संभावित मानक प्राप्त करबाक लेल उत्तरदायी शिक्षकक हेतु मंच प्रदान करैत अछि। एनपीएसटीमे परिभाषित सामान्य मानक शिक्षकक नैतिक मूल्य आ आचार-विचार, विषयक सम्यक ज्ञान, व्यावसायिक संबंध आ कैरियर विकासक योजना पर केन्द्रित अछि।

हम सभक लेल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करबामे सक्षमताक भावनाकेँ बढ़ावा देबाक हेतु सभ हितधारक लोकनिक संग समग्र सहयोगक आशा करैत छी।

केसांग वाई. शेरपा
आईआरएस
सदस्य सचिव,
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद,
नई दिल्ली

एक सांविधानिक निकायक रूपमे राष्ट्रीय अध्यपक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) भारतमे अध्यापक शिक्षाक गुणवत्तामे सुधारक दिशामे पहल केलक अछि। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आ अधिगमक प्रक्रियाक लेल एक पूर्वापेक्षित आवश्यकताक रूपमे उच्च गुणवत्ता वला शिक्षककेँ मान्यता दैत अछि। एकरे अनुरूप, एनसीटीई एनईपी 2020 केर पैरा 5.20 मे परिकल्पित, अध्यापकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) पर ई मार्गदर्शक निर्देशिका जारी केलक अछि। एनपीएसटी, अध्यापकक लेल अपेक्षित राष्ट्रीय मानकक सामान्य संग्रहकेँ चिह्नित करैत अछि। एहि मार्गदर्शक निर्देशिकामे यथा निर्दिष्ट मानक मे शिक्षकक लेल व्यावसायिक मानक केर एक तालिका अछि, जाहिमे ई वर्णित अछि जे 21म सदीमे शिक्षक लोकनिकेँ की पता हेबाक चाही, हुनका अपन कार्य-निष्पादन कोना करबाक चाही आ प्रभावी शिक्षणक दिशामे हुनक कैरियरक विकास कोना हेबाक चाही। एनपीएसटी, कैरियरक विभिन्न स्तर पर विशेषज्ञता वा अनुभवक विभिन्न चरणमे एक शिक्षकसँ अपेक्षित योग्यता आ दक्षता सभकेँ समाविष्ट करत।

हम अपन सभ वरिष्ठ अधिकारी आ मसौदा समितिक सदस्यक प्रति आभार व्यक्त करैत छी, जे एनपीएसटी पर एहि मार्गदर्शक निर्देशिकाकेँ विकसित करबा आ अभिकल्पन कार्यमे सहयोग केलनि अछि। एनसीटीई केर संपूर्ण टीमक हम सराहना करैत छी।

विषय-सूची

क्र. सं.	विषय-सूची	पृष्ठ सं.
1.	**परिचय**	**1**
2.	**अध्यापन: एक व्यवसाय**	**3**
2.1	व्यवसायक रूपमे शिक्षण कार्य	3
2.2	व्यावसायिक मानकक बोध	4
2.3	शिक्षक आ शिक्षणक लेल व्यावसायिक मानक केर महत्त्व	5
3.	**शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी)**	**6**
3.1	एनपीएसटी केर प्रासंगिकता	6
3.2	शिक्षकक लेल व्यावसायिक मानक	8
3.3	योग्यताक वृद्धि आ विकास	11
3.4	शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक	11
4.	**शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक रूपरेखा**	**13**
4.1	मानक 1: मुख्य मूल्य आ नैतिकता	13
4.2	मानक 2: ज्ञान आ अभ्यास	13
4.3	मानक 3: व्यावसायिक प्रगति आ विकास	14
5.	**कार्यान्वयन**	**21**
5.1	कार्य योजना	21
5.2	अनुप्रयोग	22
5.3	आवधिक समीक्षा	22
6.	**एनपीएसटी केर रूपरेखा पर आधारित मूल्यांकन उपकरण (सुझावात्मक)**	**23**
7.	**एनपीएसटी पर राष्ट्रीय शिक्षक गुणवत्ता केन्द्र (एनसीटीक्यू) केर लेल डिजिटल अवसंरचना योजना**	**36**

8.	चित्र-सूची	39
9.	संक्षेपाक्षर	40
10.	ग्रंथ-सूची	41
11.	एनपीएसटी विशेषज्ञ समिति	42

1. परिचय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) भारतक शिक्षा-प्रणालीमे मूलभूत सुधारक केन्द्रमे शिक्षकक भूमिकाकेँ महत्त्व दैत अछि। शिक्षा एक सतत प्रक्रिया अछि जे नागरिक जीवनकेँ प्रभावित करैत अछि आ शिक्षक ओहि प्रक्रियामे महत्त्वपूर्ण भूमिकाक निर्वहन करैत छथि। शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) केर उद्देश्य एनईपी 2020 केर उद्देश्यकेँ पूरा करबाक अछि ताकि ई सुनिश्चित कएल जा सकए जे सभ छात्रकेँ संभावित सर्वोत्तम शिक्षा धरि समान पहुँच प्राप्त भ' सकए। एनपीएसटी ई आश्वासन दैत अछि जे सभ शिक्षककेँ उत्साही, प्रेरित, उच्च योग्यता प्राप्त, नीक जकाँ तैयार विद्यालयी शिक्षाक सभ स्तर पर सभ शिक्षार्थी लोकनिकेँ पढ़एबाक हेतु सुसज्जित हेबाक चाही। एहि तरहेँ सर्वोत्तम प्रतिभाकेँ शिक्षण पेशाक दिस आकर्षित करब समयक मांग थिक।

एनपीएसटी शिक्षकक कैरियरक विभिन्न चरणमे ओकर गुण सभक पहिचान करबामे मदति करैत अछि। एकर अतिरिक्त, ई सभ शिक्षकक तैयारी, अभ्यास आ प्रदर्शनमे सुधार पर ध्यान केन्द्रित करैत अछि। संबंधित नीति आ मानक मूल एनईपी 2020 केर सिद्धान्तक अनुरूप अछि, जे शिक्षा-प्रणालीक मार्गदर्शन करत आ उच्च गुणवत्ता वला शिक्षा प्रदान करबाक लेल एनईपी 2020 केर जे नीति अछि, ओहि पहल केर दृष्टिकोणक समर्थन करत। एनपीएसटी सेवा-पूर्व शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम तैयार करबा आ शिक्षक कैरियर प्रबंधनक सभ पहलूक निर्धारण करबामे सेहो मदति करत।

शिक्षक लोकनिकेँ कौशल प्रदान करबामे कएल गेल प्रयासक लाभ छात्र लोकनिकेँ भेटैत अछि। शिक्षकक संग ई व्यावसायिक मानक ई रेखांकित करत जे विभिन्न कैरियर चरण आ विशेषज्ञताक विभिन्न स्तर पर शिक्षक लोकनिसँ योग्यताक अतिरिक्त आर की सभ अपेक्षा कएल जाइत अछि। वर्ष 2030 मे पेशेवर मानकक समीक्षा आ संशोधन कएल जाएत तकर बाद प्रत्येक दस वर्षक अवधिमे प्रणालीक प्रभावकारिताक कठोर अनुभवजन्य विश्लेषणक आधार पर ओकरा संशोधित कएल जाएत।

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद अधिनियम (एनसीटीई अधिनियम), 1993 द्वारा निर्मित एक वैधानिक निकाय अछि। ई संपूर्ण देशमे सेवा-पूर्व आ सेवा-कालीन शिक्षकक नियोजित आ समन्वित विकासक लेल अधिकृत अछि। एनपीएसटी केर घोषणा शिक्षा मंत्रालयल (एमओई) केर अधिदेशक रूपमे 2021 केर बजटमे कएल गेल छल आ एनसीटीईकेँ एहि कार्यकेँ पूर्ण करबाक उत्तरदायित्व देल गेल छल। एनपीएसटी केर विभिन्न पहलू पर विभिन्न हितधारक लोकनिसँ प्राप्त सुझावक आधार पर एनपीएसटी निर्देशिका तैयार करबा हेतु एक विशेषज्ञ समिति गठित कएल गेल छल। निर्देशिका तैयार करबामे समग्र सुसंगतताक लेल नीचाँसँ ऊपरक दृष्टिकोणक तहत सुझाव/सलाह आमंत्रित करबाक लेल अप्रैल 2021मे MyNEP 2020 पोर्टलक माध्यमसँ डिजिटल परामर्शक माध्यमसँ प्राथमिक अनुसंधान कएल गेल छल। एकर अतिरिक्त, विभिन्न क्षेत्रक चयनित लक्षित दर्शकक बीच प्रश्नावलीक माध्यमसँ विशिष्ट टिप्पणी/सुझाव आमंत्रित करबाक लेल द्वितीयक अनुसंधान कएल गेल छल।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित सर्वोत्तम प्रणालीक अनुसार मानकीकरण करबाक हेतु चारि देशक एनपीएसटी निर्देशिकाक तुलनात्मक अध्ययनक आधार पर एकटा रिपोर्ट तैयार कएल गेल। विशेषज्ञ समिति द्वारा कएल गेल विचार-विमर्श आ संशोधनक माध्यमसँ, एनपीएसटी पर एक प्रारंभिक मसौदा तैयार कएल गेल आ 17 नवंबर

शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी)

2021केँ एनसीटीई वेबसाइट आ MyGov पोर्टल पर एकरा सार्वजनिक समीक्षाक लेल जारी कएल गेल। एकरा संगहि, एनपीएसटी केर प्रारंभिक मसौदा पर जमीनी स्तरक पदाधिकारी लोकनिसँ विचार/सुझाव एकत्र करबाक लेल देशभरिक शिक्षाविद, शैक्षिक प्रशासक, शिक्षक प्रशिक्षक, विभागाध्यक्ष, एससीईआरटी, डीआईईटी, प्रधानाचार्य, शिक्षक (सार्वजनिक/निजी), गैर-सरकारी संगठन, एवं आन हितधारक लोकनिक संग 15 ओपन हाउस चर्चा सभ आयोजित कएल गेल।

एकरा संगहि, प्रारंभिक मसौदामे वर्णित विवरण पर सुझाव प्राप्त करबाक संग-संग एनपीएसटी मसौदामे उल्लिखित दक्षताक आकलन आ मूल्यांकनक लेल उपकरण/विधि पर सुझाव प्राप्त करबाक लेल देशभरिक शिक्षक, प्रधानाचार्य, डीआईईटी, एससीईआरटी केर संग 5 आंतरिक परामर्श आयोजित कएल गेल। अनुसंधानक तेसर स्तर हेबाक कारण, हितधारक लोकनिक सुझाव/सलाहक आधार पर एनपीएसटी पर अंतिम मसौदा तैयार करबाक हेतु 29 मार्च 2022केँ एनपीएसटी केर लेल गठित समितिक सोझा राखल गेल, जेकरा फील्ड ट्रायल संस्करणक रूपमे अनुमोदित कएल गेल। एनपीएसटी निर्देशिका मसौदाक कार्यान्वयन आ प्रभाव मूल्यांकनक कार्य देशभरिमे 1175 शिक्षकक संग 75 केन्द्र सरकारक स्वामित्व वला विद्यालय (25 केवीएस+25 एनवीएस+25 सीबीएसई)मे आरंभ कएल गेल अछि।

शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी), जेहन कि एनईपी 2020 केर पैरा 5.20 मे परिकल्पित अछि, केर उद्देश्य सभ शिक्षार्थी लोकनिक लेल उच्चतम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा धरि समान पहुँच सुनिश्चित करब अछि। विद्यालयी शिक्षाक संबंधमे एनईपी 2020 केर अधिदेशकेँ प्राप्त करबाक लेल एनपीएसटी पर एकटा मार्गदर्शक मसौदा विकसित कएल गेल अछि, जाहिमे सभ छात्रकेँ भावुक, प्रेरित, उच्च योग्य, पेशेवर रूपसँ प्रशिक्षित आ नीक जकाँ सुसज्जित शिक्षक लोकनि द्वारा पढ़ाओल जाइत अछि। एकर उद्देश्य शिक्षक कैरियर प्रबंधन आ आन मान्यताक सभ पहलूकेँ निर्धारित करब अछि। ई गुणवत्ताक एकटा अभियुक्ति अछि आ विभिन्न चरण/स्तर पर शिक्षकक योग्यताकेँ परिभाषित करैत अछि।

एनसीटीईमे एकटा डिजिटल प्लेटफार्म, राष्ट्रीय शिक्षक गुणवत्ता केन्द्र (एनसीटीक्यू) केर स्थापना कएल गेल अछि, जे एनपीएसटी केर संचालनक लेल जिम्मेदार राष्ट्रीय रिपोजिटरी होएत। एकर अतिरिक्त अधिक संसाधित लोक/एजेंसीक सृजनक लेल हितधारक/कार्यान्वयन एजेंसीक क्षमताक निर्माण कार्यक्रम आरंभ कएल जाएत।

एहि मानककेँ राज्य/संघ राज्यक्षेत्र अपना सकैत अछि आ संस्था सभ नव शैक्षणिक विद्यालयी ढाँचा (5+3+3+4) केर अनुसार शिक्षकक अपेक्षित कौशल समुच्चयकेँ पूरा करबाक लेल तदनुसार ओकरा लागू कए सकैत अछि।

2. अध्यापन: एक व्यवसाय

2.1 व्यवसायक रूपमे शिक्षण कार्य

शिक्षणकेँ विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठ व्यवसायमे सँ एक मानल जाइत अछि आ एकर प्रत्यक्ष सरोकार समाजक प्रगतिसँ होइत अछि। प्राचीन कालमे शिक्षक समाजक सभसँ सम्मानित सदस्य होइत छलाह आ अधिकांश शिक्षित लोककेँ एहि पेशामे प्रवेशक अनुमति छल। शिक्षक, शिक्षण-प्रणाली केर केन्द्र होइत छलाह आ हुनका अपन ज्ञान, कौशल आ नैतिकताकेँ छात्र धरि उत्तम तरीकासँ पहुँचएबाक आवश्यकता होइत छलनि। शिक्षा-प्रणालीमे विकास आ शिक्षकक बदलैत भूमिकाक संग, शिक्षकक गुणवत्ताकेँ बढ़ाएब दीर्घकालिक आ टिकाऊ राष्ट्र-निर्माणक लेल अत्यंत महत्त्वपूर्ण कार्य बनि गेल अछि। सामाजिक क्रिया आ सामाजिक जाँचक रूपमे, शिक्षण एक गहन नैतिक एवं आदर्श व्यवसाय अछि जाहिमे व्यावसायिक लोकनिसँ निम्नलिखित अपेक्षा सभ कएल जाइत अछि:

- बच्चा सभक देखभाल करब आ ओकरा संग रहब पसिन्न करब, छात्र विविधताक सम्मान करब, सामाजिक, सांस्कृतिक आ राजनीतिक संदर्भमे बच्चा सभकेँ बुझब, ओकरा सभक आवश्यकता आ समस्याक प्रति संवेदनशीलता विकसित करब आ सभ बच्चाक संग समान व्यवहार करब।
- बच्चा सभकेँ ज्ञानक निष्क्रिय प्राप्तकर्ताक रूपमे नहि देखल जएबाक चाही, अर्थ निर्माणक ओकर प्रवृत्तिकेँ बढ़ावा देब, रटबाक आदतिक ठाम पर अधिगमक आनंदमय सहभागी आ सार्थक वातावरण प्रदान करबाक चाही।
- पाठ्यक्रम आ पाठ्यपुस्तकक आलोचनात्मक जाँच करब आ स्थानीय आवश्यकताक अनुरूप पाठ्यक्रमकेँ प्रासंगिक बनाएब।
- ज्ञानकेँ पाठ्यक्रममे अंतर्निहित वा 'देल गेल' नहि मानल जएबाक चाही।
- शिक्षार्थी-केन्द्रित, गतिविधि-आधारित, सहभागी अधिगमक आयोजन करब-जाहिमे खेल, परियोजना, चर्चा, संवाद, अवलोकन, भ्रमण आ ओकर अभ्यास पर चिंतन करब शामिल होमए।
- शिक्षार्थीक सामाजिक आ व्यक्तिगत वास्तविकताक संग अधिगमक एकीकरण, कक्षामे विविधताक प्रति प्रतिक्रिया।
- शांति, लोकतांत्रिक शैली, समानता, न्याय, स्वतंत्रता, बंधुत्व, धर्मनिरपेक्षता आ सामाजिक पुनर्निर्माणक लेल उत्साहक मूल्यकेँ बढ़ावा देब।

हितधारक लोकनिक बीच विचार-विमर्शक माध्यमसँ मानककेँ स्पष्ट करबा आ आम सहमति पर पहुँचबासँ निम्नलिखित परिणाम प्राप्त भ' सकैत अछि:

- उत्तम शिक्षण पहलूक प्रति बेसी स्पष्टता आ प्रतिबद्धता बढ़त।
- प्रासंगिक विचार, समझ जे उत्तम शिक्षणकेँ नियंत्रित आ समर्थन करैत अछि।
- शिक्षकक लेल हुनक पेशेवर अभ्यासक आयामक स्पष्टीकरण आ दोहराएब एवं कक्षाकेँ शिक्षार्थी-केन्द्रित बनएबा आ ओकर आत्म-चिंतनक मार्गदर्शन करबामे सहायता करब।
- शिक्षक लोकनिकेँ सहायता प्रदान करब, उत्तम शिक्षण आ शिक्षकक कैरियर विकासक लेल तैयार करबाक लेल

पारिस्थिकी तंत्र आ बाह्य-प्रणालीकेँ डिजाइन करबा आ प्रबंधित करबाक बेहतर समझ।

शिक्षाक अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 शिक्षक लोकनिसँ अपेक्षा आ शिक्षणक गुणवत्ताकेँ निर्धारित करैत अछि, जाहिसँ ई सुनिश्चित होएत जे विद्यालयमे बच्चा सभकेँ सकारात्मक शैक्षिक अनुभव प्राप्त होएत, जाहिसँ शिक्षाक माध्यमसँ सशक्तीकरणकेँ बढ़ावा भेटत। जेहन कि आरटीई अधिनियम 2009 मे परिकल्पित कएल गेल अछि, शिक्षण एहि प्रकारक हेबाक चाही: ***[धारा 29/2, आरटीई अधिनियम 2009]***।

- लोकतांत्रिक, न्यायपूर्ण आ शांतिपूर्ण समाजकेँ बढ़ावा देबाक लेल भारतक संविधानमे निहित मूल्यक अनुरूप।
- शिक्षार्थीक समग्र विकासकेँ बढ़ावा देब।
- छात्रक ज्ञान, क्षमता आ प्रतिभाक निर्माण करब।
- छात्रक शारीरिक आ मानसिक क्षमताकेँ पूर्ण रूपेण विकसित करब।
- बच्चा सभक अनुकूल आ बच्चा सभ पर केन्द्रित तरीकासँ गतिविधि, खोज आ अन्वेषणक माध्यमसँ अधिगमकेँ सक्षम बनाएब।
- जतए धरि संभव आ व्यावहारिक भ' सकए, विद्यार्थी लोकनिक शिक्षण मातृभाषामे होमए।
- ई सुनिश्चित करब जे बच्चा सभ भय, आधात आ चिंतासँ मुक्त रहए आ ओकरा सभकेँ स्वतंत्र रूपसँ संवाद करबामे मदति करब।
- समझ आ क्षमता, दुनूक निरंतर व्यापक मूल्यांकन शामिल होमए।

एहि प्रकारेँ प्रत्येक बच्चाकेँ सम्मानपूर्वक जीवन जीबामे सक्षम बनाओल जा सकत।

भारतक संविधान एहि बातक दिस सेहो ध्यान आकर्षित करैत अछि जे शिक्षा समावेशी होमए आ समाजक अंतिम छोर पर पड़ल समुदाय, भाषाई आ सांस्कृतिक अल्पसंख्यक समूह, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति आ आन पिछड़ल समुदायक विद्यार्थी लोकनि आ विशेष आवश्यकता वला बच्चा सभकेँ सहायता प्रदान करए, एकरा लेल विशेष प्रयास कएल जएबाक आवश्यकता अछि। शिक्षाक अधिकार वास्तवमे एनईपी 2020 मे राखल गेल शिक्षाक दृष्टि विद्यालयक सभ स्तर पर कक्षामे समावेशी शिक्षा आ विविधता पर जोर दैत अछि।

एनईपी 2020 ओहि विशिष्ट चुनौतीक दिस ध्यान आकृष्ट करैत अछि जेकरा प्रति शिक्षकक शैक्षणिक अभ्यासकेँ उत्तरदायी हेबाक चाही: ***(नीति केर सिद्धान्त)***

- रटबाक ठाम पर उच्च स्तरीय सोच, आलोचनात्मक सोच, जाँच-पड़ताल आ 21म सदी केर कौशलक दिस अधिगमकेँ स्थानांतरित करब।
- अधिगमकेँ बहुविषयक, अनुभवात्मक आ व्याहारिक बनाएब।
- बहुभाषिकता।
- छात्र लोकनिकेँ ज्ञानक स्वदेशी विरासतकेँ महत्त्व देबा आ एकीकृत करबामे सक्षम बनाएब।

2.2 व्यावसायिक मानकक बोध

'मानक' शब्दकेँ विभिन्न संदर्भ आ देशमे अलग-अलग अर्थमे परिभाषित कएल जाइत अछि। मानक ओ शब्द अछि जे एहि संबंधमे अछि जे पेशामे की मूल्यवान अछि आ एकर ऊपयोग सामान्य रूपसँ ई बतएबा आ संप्रेषित करबाक

लेल कएल जाइत अछि जे अधिगम वा अभ्यास करबाक संदर्भमे की प्राप्त करब सभसँ बेसी वांछनीय अछि। अधिगमक संदर्भमे, मानककेँ अधिगमक परिणामक रूपमे परिभाषित कएल जाइत अछि, मुदा पेशेवर वा व्यावसायिक संदर्भमे, मानककेँ क्षमताक आयामक रूपमे परिभाषित कएल जाइत अछि, अर्थात्, कोनो लोककेँ कोनो विशेष पेशेवर क्षेत्रमे सक्षम मानल जएबाक लेल की कएल जएबाक चाही आ की करबामे सक्षम हेबाक चाही। दोसर शब्दमे, मानककेँ एकटा बेंचमार्क वा कोनो पेशेवरक प्रदर्शनकेँ नापबाक उदाहरणक रूपमे उपयोग कएल जाइत अछि जाहिसँ ओकर गुणवत्तापूर्ण प्रदर्शनक लेल सक्षम मानल जा सकए। मानक ओ कथन अछि जेकर तात्पर्य अछि जे पेशामे की मूल्यवान अछि, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की थिक आ संगहि एकरामे अंतर्निहित धारणा की अछि। ई कथन स्वयं बतबैत अछि जे ई मूल्य कथिक बोध करबैत अछि जे शिक्षक लोकनिकेँ की जानबाक चाही, की विश्वास करबाक चाही आ की करबामे सक्षम हेबाक चाही।

2.3 शिक्षक आ शिक्षणक लेल व्यावसायिक मानक केर महत्त्व

उत्तम आ वांछनीय शिक्षण आ शिक्षक लोकनिक गुण आ विशेषताक वर्णन कैक नीति दस्तावेजमे प्रत्यक्ष वा परोक्ष रूपसँ पाओल जाइत अछि। ई विचार शिक्षा सुधार केन्द्र प्रायोजित मिशन अर्थात् सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) केर शुभारंभक संग सेवाकालीन शिक्षा आ प्रशिक्षणक उद्देश्यकेँ सूचित केलक अछि। ई विचार अध्यापक शिक्षाक लेल राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफटीई, 2009) मे निर्धारित दिशा-निर्देशमे निहित अछि आ हालहिमे एनईपी 2020 मे अनुशंसित सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमक लेल पाठ्यचर्या रूपरेखाक विकास आ डिजाइनमे एकर अभिव्यक्ति देखल गेल अछि।

एनईपी 2020 मे प्रस्ताव देल गेल अछि जे व्यावसायिक मानक बनाओल जाएत आ स्थापित कएल जाएत, जे जवाबदेही, निगरानी, पेशेवर विकास, प्रत्येक चरणक भीतर कैरियर मार्ग आ उर्ध्वाधर गतिशीलतासँ जुड़ल होएत। शिक्षकक लेल व्यावसायिक मानकक एक सेट निम्नलिखितकेँ सक्षम कए सकैत अछि। एक शिक्षकक कार्यक प्रकृतिकेँ परिभाषित करबाक लेल:

- कार्य आ सेवाक स्थिति बनएबाक लेल
- शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमक पुनर्रचनाक लेल
- शिक्षकक पंजीकरणक लेल
- आजीवन अधिगम आ व्यावसायिक प्रगतिकेँ बढ़ावा देबाक लेल
- शिक्षक योग्यतामे एकरूपता स्थापित करब आ गतिशीलताकेँ सक्षम बनएबाक लेल
- शिक्षकक गुणवत्ताक मूल्यांकन करबाक लेल
- शिक्षककेँ अभिप्रेरित करबाक लेल
- शिक्षकक उत्तरदायित्व/कर्त्तव्यकेँ सुनिश्चित करबाक लेल

यद्यपि मानक केर पहलू पर जोर ओकर विशिष्ट उपयोगक आधार पर भिन्न भ' सकैत अछि, तथापि, मानकक एक सामान्य सेट ई सुनिश्चित करत जे शिक्षक आ पेशाक रूपमे शिक्षणसँ संबंधित विभिन्न मामिलामे नीतिमे समानता होमए।

3. शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी)

वर्तमान समयमे भारतमे ज्ञानक संदर्भमे व्यापक परिवर्तन भ' रहल अछि। एहिलेल, 21म सदीक माँगकेँ पूरा करबाक लेल शिक्षा-प्रणालीमे सुधार करब महत्त्वपूर्ण भ' गेल अछि। भारतक शिक्षा नीति 2020, 21म सदीक देशक पहिल शिक्षा नीति अछि आ एकर उद्देश्य हमरा देशक बढ़ैत विकासात्मक आवश्यकताकेँ पूरा करब अछि। शिक्षक वास्तवमे हमरा देशक बच्चा सभक भविष्यकेँ आकार दैत छथि, एहिलेल देशक भविष्य सेहो एहिसँ जुड़ल अछि। सभक लेल समग्र आ गुणवत्तापूर्ण शिक्षाक लक्ष्यकेँ प्राप्त करबाक लेल, एनईपी 2020 शिक्षण पेशाक विकास पर विशेष जोर देलक अछि आ शिक्षक लोकनिकेँ सभ सुधारक केन्द्र मे राखलक अछि। सर्वश्रेष्ठ आ प्रतिभाशाली लोककेँ शिक्षण पेशामे प्रवेश करबाक लेल प्रेरित करबा आ शिक्षक लोकनिकेँ सशक्त बनाएब आ हुनका सभकेँ यथासंभव प्रभावी ढ़ंगसँ अपन काज करबामे मदति करब अछि।

3.1 एनपीएसटी केर प्रासंगिकता

"शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) केर एक सामान्य मार्गदर्शक सेट 2022 धरि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा सामान्य शिक्षा परिषद (जीईसी) केर तहत एकटा व्यावसायिक मानक निर्धारण निकाय (पीएसएसबी) केर रूपमे अपन पुनर्गठित नव रूपमे विकसित कएल जाएत जाहिमे एनसीईआरटी, एससीईआरटी, विभिन्न स्तर आ क्षेत्रक शिक्षक, शिक्षकक तैयारी आ विकासमे विशेषज्ञ संगठन, व्यावसायिक शिक्षामे विशेषज्ञ निकाय आ उच्च शिक्षण संस्थानक परामर्शसँ विकसित कएल जाएत। मानकमे विशेषज्ञता/चरणक विभिन्न स्तर पर शिक्षकक भूमिकाक अपेक्षा आ ओहि चरणक लेल आवश्यक योग्यताकेँ शामिल कएल जाएत। एहिमे प्रत्येक चरणक लेल प्रदर्शन मूल्यांकनक मानक सेहो शामिल होएत, जेकरा समय-समय पर लागू कएल जाएत। एनपीएसटी सेवा-पूर्व शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमक डिजाइनक संबंधमे सेहो जनतब देत। एकर पश्चात एकरा राज्य सरकार द्वारा सेहो अपनाओल जा सकैत अछि आ एकरा तहत शिक्षक कैरियर प्रबंधनक सभ पहलूक निर्धारण कएल जा सकैत अछि, जाहिमे कार्यकाल, व्यावसायिक विकास प्रयास, वेतन वृद्धि, पदोन्नति आ आन मान्यता सभ शामिल अछि। पदोन्नति आ वेतन वृद्धि कार्यकालक अवधि वा वरिष्ठताक आधार पर नहि होएत, अपितु केवल मूल्यांकनक आधार पर होएत। वर्ष 2030 मे पेशेवर मानक केर समीक्षा आ संशोधन होएत आ तकर बाद प्रत्येक 10 वर्षमे सिस्टमक प्रभावकारिताक कठोर अनुभवजन्य विश्लेषणक आधार पर कएल जाएत। [पैरा 5.20 एनईपी 2020]"

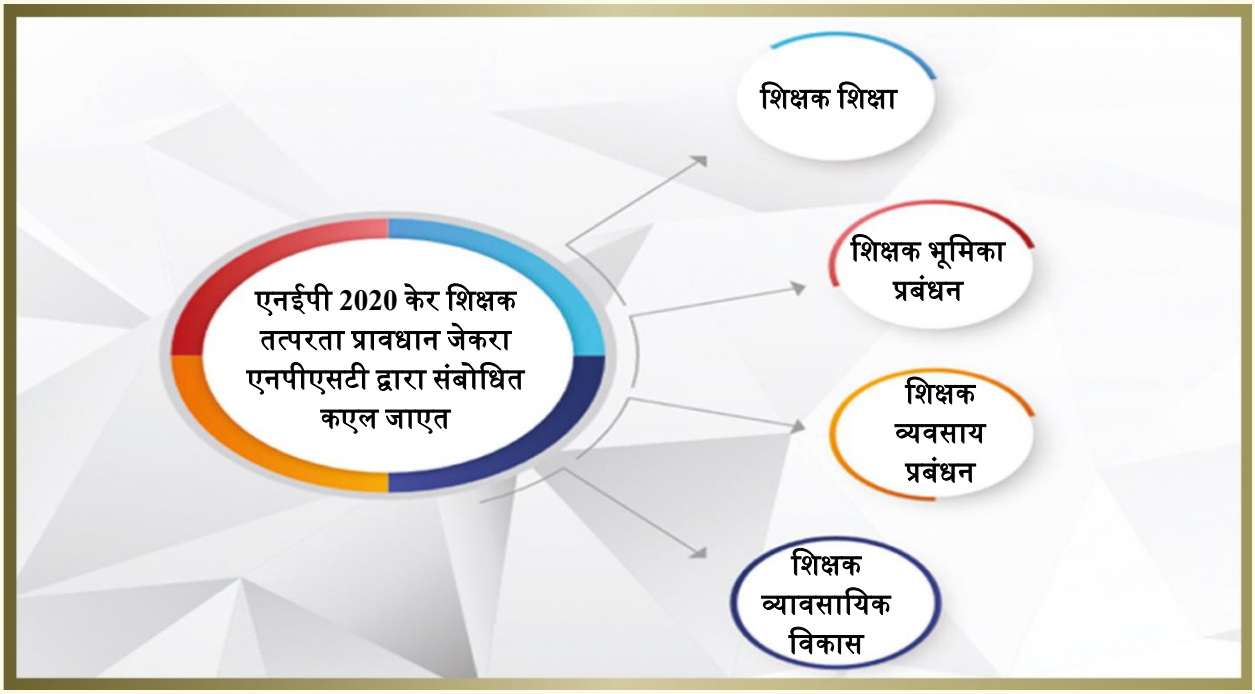

चित्र 1 शिक्षकक तत्परताक चित्रण

3.1.1 शिक्षक शिक्षा: एनपीएसटी, एनईपी 2020मे परिकल्पित 4-वर्षीय, 2-वर्षीय आ 1-वर्षीय बी.एड. पूर्व-सेवा शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमक रूपरेखाक जानकारी देत।

3.1.2 शिक्षक भूमिका प्रबंधन: मानक विशेषज्ञता/चरणक विभिन्न स्तर पर शिक्षकक भूमिकाक अपेक्षा आ ओहि चरणक लेल आवश्यक योग्यताकेँ शामिल करत। प्रत्येक चरणक लेल, एनपीएसटी प्रदर्शन मूल्यांकन मानककेँ शामिल करत।

3.1.3 शिक्षक व्यवसाय प्रबंधन: शिक्षक कैरियर प्रबंधनक सभ पहलू जाहिमे कार्यकाल, व्यावसायिक विकास प्रयास, वेतन वृद्धि, पदोन्नति एवं अन्य मान्यता शामिल अछि।

3.1.4 शिक्षक व्यावसायिक विकास: शिक्षक लोकनिकेँ आत्म-सुधार आ अपन व्यवसायमे नवीनतम नवाचार आ प्रगतिकेँ अधिगमक लेल निरंतर अवसर देल जाएत।

एनईपी 2020 केर अनुसार, शिक्षक तैयारी एक एहन गतिविधि अछि जेकरा लेल बहु-विषयक दृष्टिकोण आ ज्ञान, स्वभाव आ मूल्यक निर्माण आ सर्वोत्तम मार्गदर्शक केर तहत अभ्यासक विकास आवश्यक अछि। एकरा लेल आवश्यक अछि जे शिक्षक भारतीय मूल्य, भाषा, ज्ञान लोकाचार आ परंपरासँ परिचित होथि आ शिक्षा आ शिक्षणशास्त्रमे नवीनतम प्रगतिसँ सेहो नीक जकाँ परिचित होथि। एनपीएसटी एक सार्वजनिक वक्तव्य अछि जे शिक्षण गुणवत्ता की थिक आ भारतमे छात्रक शैक्षिक परिणामकेँ सुधारबाक लेल की आवश्यक अछि। ई मानक मार्गदर्शक कथनक एक सेट होएत जे कैरियरक विभिन्न चरणमे विशेषज्ञताक विभिन्न स्तर पर शिक्षकक भूमिका केर अपेक्षा कैँ परिभाषित करैत अछि। मानक इहो परिभाषित करैत अछि जे प्रभावी शिक्षण केहन देखार दैत अछि आ शिक्षण कैरियरक प्रत्येक चरणमे 21म सदीक विद्यालयमे शिक्षकक रूपमे अभ्यास करबाक लेल कोन योग्यताक आवश्यकता होएत।

3.2 शिक्षकक लेल व्यावसायिक मानक

शिक्षकक लेल व्यावसायिक मानक केर रूपरेखा नीक शिक्षक आ नीक शिक्षणक गुणक संबंधमे स्पष्ट आ अंतर्निहित अभिव्यक्ति पर आधारित अछि। एकर अतिरिक्त, ई भारतमे शिक्षण आ शिक्षक निर्माण पर, शोध पर ध्यान केन्द्रित करैत अछि आ एहि संदर्भमे ई शिक्षण आ प्रशिक्षण गुणवत्ताकेँ परिभाषित करबा आ ओकर मूल्यांकन करबाक पहलक रूपरेखा सेहो प्रस्तुत करैत अछि।

क. योग्यता

शिक्षकक लेल व्यावसायिक मानककेँ तैयार करैत काल, योग्यताक लेल मानकक एकटा सामान्य मूल सेटक दिस ध्यान आकर्षित कएल जाइत अछि, जेकरा शिक्षण पेशाक लेल आवश्यक मानल जाइत अछि। योग्यतासँ हमर तात्पर्य ज्ञान, कौशल, समझ, मूल्य, दृष्टिकोण आ इच्छाक संयोजनसँ अछि जे कोनो विशेष क्षेत्रमे प्रभावी, मूर्त मानवीय प्रयासक दिस ल' जाइत अछि।

ख. क्षेत्र

शिक्षक ज्ञान आ शिक्षण अभ्यास (शिक्षण-पूर्व, शिक्षणक अवधि आ शिक्षणक बाद) परस्पर संबंधित क्षेत्र अछि आ दुनू विश्वास, कौशल, संप्रेषण क्षमता, पेशेवर पहिचान, नैतिकता, मूल्य आ स्वभावसँ संबंधित अछि। निम्नलिखित तीन क्षेत्रकेँ मानकक रूपमे पहिचानल जाइत अछि:

1. मुख्य मूल्य आ नैतिकता
2. ज्ञान आ शिक्षण-अभ्यास
3. व्यावसायिक प्रगति आ विकास

ग. शिक्षकक प्रोफाइल

जतए धरि संभव भ' सकए, शिक्षणमे सुधार आ विशेषज्ञताक विकासक विचारकेँ उत्तम शिक्षणमे विकास आ उन्नतिक प्रकृतिक संकेत देबाक लेल अपनाओल जाइत अछि। सुधार आ विकासक लेल आकांक्षा आ मार्ग स्थापित करबाक संग-संग पेशेवर द्वारा प्राप्त कएल जा रहल उच्चतर मानक केर मान्यताक लेल आधार तैयार करब। एनपीएसटीक लेल, निम्नलिखित तीन स्तर प्रस्तावित अछि जे विद्यालयी शिक्षा आ विषय शिक्षण क्षेत्रक एवं भिन्न चरणमे शिक्षणक सभ विषय-क्षेत्र आ दक्षता सभ पर लागू होइत अछि। एहि स्तर आ विवरणक उपयोग एहि दृष्टिकोणकेँ विकसित करबामे सहायक केर रूपमे कएल जएबाक चाही जे शिक्षक की करबामे सक्षम छथि आ ओ कोन क्षेत्रमे आर बेसी विकास कए सकैत छथि। एहिसँ शिक्षक द्वारा अर्जित योग्यताक साक्ष्यक आधार पर निम्नलिखित स्तर पर नियुक्तिमे मदति भेटत:

1. प्रवीण
2. उन्नत
3. विशेषज्ञ

एनपीएसटी एक मार्गदर्शक निर्देशिका अछि जे उच्च गुणवत्ता वला शिक्षककेँ तैयार करबामे शामिल सभ

हितधारक लोकनिकेँ मदति करैत अछि। ई शिक्षककेँ शिक्षक बनबाक हुनक निर्णयसँ ल' कए हुनक शिक्षण यात्रा पूरा हेबा धरिक लेल एक स्पष्ट कौशल मार्ग प्रदान करैत अछि। ई निर्देशिका शिक्षक शिक्षा संस्थानकेँ गुणवत्तापूर्ण शिक्षक तैयार करबाक लेल मार्गदर्शन प्रदान करैत अछि।

मानककेँ शिक्षण प्रोफाइलक एक विशेष स्तर धरि पहुँचबाक लेल पूर्व-अपेक्षित योग्यताक रूपमे परिभाषित आ वर्गीकृत कएल गेल अछि। एक शिक्षक लक्ष्य कैरियर स्तर धरि पहुँचबाक लेल आवश्यक कौशल प्राप्त क' कए आ योग्यताक साक्ष्य साझा क' कए पूर्व-आवश्यकताकेँ पूरा करताह। कोनो चरणक मानककेँ पूरा कएलाक बाद, शिक्षक प्रमाणित भ' जाएत आ ओ औपचारिक रूपसँ ओहि चरणक लेल प्रोन्नत होएत, एकर पश्चात ओ अधिग्रहित दक्षताक प्रयोग शिक्षण अभ्यासलमे करए लागत आ अग्रिम चरणक लेल अपन योग्यता पर कार्य प्रारंभ कए देत।

एक सफल शिक्षण कैरियरक लेल तैयारीक यात्रा, शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (टीईपी)मे प्रवेशक पहिलुक दिनहिसँ आरंभ भ' जाइत अछि। एनपीएसटी ओहि योग्यताक विवरण दैत अछि जे एक विद्यार्थी-शिक्षककेँ शिक्षण कैरियर केर तैयारी करैत काल प्रारंभिक स्तर पर प्राप्त करबाक चाही। एहिलेल जखन कोनो भावी शिक्षक शिक्षण पेशामे शामिल हेबाक निर्णय करैत अछि, तँ हुनका एनसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त टीईआई मे नामांकित कएल जाएत। संस्था छात्र-शिक्षककेँ एकर पाठ्यक्रम पर शिक्षित करत जे शिक्षण पेशाक पहिल कैरियर धरि पहुँचबाक लेल आवश्यक योग्यताक आधार पर बनाओल गेल अछि। ई मानक, पाठ्यक्रम नियोजन आ कार्यक्रमक क्रियान्वयनमे सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षा संस्थान द्वारा पूरा कएल जाएवला न्यूनतम मानक होएत। विद्यार्थी शिक्षक अपन प्रारंभिक शिक्षक प्रशिक्षणमे सतत अभ्यास आ मार्गदर्शक सहायताक माध्यमसँ शिक्षण आ अधिगमक प्रक्रियाकेँ प्रभावी ढ़ंगसँ संचालित करबाक लेल अपेक्षित ज्ञान, कौशल, मूल्य आ अभिवृत्तिक विकास कए सकत।

एनईपी 2020मे ई प्रावधान कएल गेल अछि जे प्रत्येक विद्यालय स्तर पर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करब, विद्यार्थी शिक्षकक लेल शिक्षण पेशामे प्रवेशक लेल पूर्व-आवश्यकता होएत। एहि प्रकारेँ टीईटी ई मापन करत आ सुनिश्चित करत जे एहन उम्मीदवारक पहिचान कएल जाए, आ हुनक टीईटी प्रोफाइल हुनक योग्यताक सीमाकेँ देखाओत। एक बेर जखन नव शिक्षक शिक्षण पेशामे स्थापित भ' जाइत अछि, तँ एनपीएसटी आधारित कैरियर चरणक तैयारीक लेल मार्गदर्शन देल जाएत। शिक्षकक योग्यताक निर्धारण प्रदर्शन संकेतक (पीआई) केर आधार पर कएल जाएत, जे पेशाक लेल स्वीकृत मानकक अनुरूप उपलब्धिक स्तरकेँ देखाबैत अछि। चरणवार दक्षता प्राप्त करबाक लेल न्यूनतम अवधि पाँच वर्ष अछि। शिक्षकक गुणवत्ता, आश्वासन आ प्रदर्शन संकेतककेँ राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशन (एनएमएम) कार्यक्रमक संग जोड़ल जाएत आ उत्कृष्ट शिक्षककेँ परामर्शदाता समूहमे शामिल कएल जा सकैत अछि। ई विभिन्न लोकक बीच पारस्परिक शिक्षाक लाभ उठएबाक अवसर प्रदान करैत अछि, जाहिसँ हुनक व्यावसायिक विकासकेँ बढ़ावा भेटैत अछि।

अर्जित दक्षताक आधार पर शिक्षकक तीन विभिन्न स्तर एहि प्रकारेँ अछि:

1. प्रवीण शिक्षक :

व्यवसायक एहि चरणमे, एक शिक्षकसँ ई अपेक्षा कएल जाइत अछि जे ओ शिक्षण अधिगमक लेल आवश्यक कौशलक प्रदर्शन करबाक लेल पेशेवर रूपसँ स्वतंत्र होथि। प्रवीण शिक्षककेँ व्यावसायिक विकासक कार्यक्रम आ ओकर अभ्यासमे अर्जित ज्ञानकेँ सुदृढ़ करबामे विद्यालयक परामर्शदाता द्वारा सहायता प्रदान कएल जाएत। विद्यालय-आधारित परामर्शदाता प्रवीण शिक्षककेँ शिक्षण अभ्यासमे सुधार करबामे मदति करताह। एकबेर जखन प्रवीण

शिक्षक अर्जित कौशलकेँ लागू करबामे प्रदर्शनक सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुँच जाइत छथि, तँ हुनका अगिला कैरियर चरण अर्थात् उन्नत शिक्षक चरणक तैयारीक लेल निर्देशित कएल जाएत। शिक्षककेँ अलग चरणक लेल व्यावसायिक विकासक अवसर देल जाएत आ ओहि विद्यालयक स्तरक लेल अगिला कैरियर चरणसँ संबंधित कौशल अर्जित करबा आ साक्ष्य विकसित करबाक लेल परामर्श देल जाएत। एकबेर जखन शिक्षक अगिला कैरियर चरणक लेल तैयार भ' जाइत छथि तँ हुनका अपन कौशल मूल्यांकन आ उन्नत शिक्षक केर दर्जा प्राप्त करबाक लेल परामर्श देल जाएत। प्रवीण शिक्षक पाठ्यक्रम सामग्रीकेँ व्यवस्थित करबा, संसाधनक चयन करबा, पाठ्यपुस्तकक सार्थक उपयोग करबा, छात्रक लेल समावेशी रूपसँ पाठ्यक्रम उद्देश्यकेँ पूरा करबा, छात्रक भलाई आ विकासक लेल देखभाल आ चिंता करबा आ छात्रक संग प्रभावी संप्रेषण करबाक प्रदर्शन करताह। ओ अधिगमक आवश्यकताकेँ पूरा करबाक लेल व्यक्तिगत शिक्षणक आवश्यकताक पहिचान करताह, तात्कालिक हितधारक-अभिभावक आ विद्यालय प्रबंधनक संग संवाद स्थापित करताह, लोकतांत्रिक आ संवैधानिक मूल्य आ उद्यमकेँ प्रोत्साहित करताह।

2. उन्नत शिक्षक :

व्यवसायक एहि चरणमे, एक शिक्षकसँ ई अपेक्षा कएल जाइत अछि ओ शिक्षण-अधिगम प्रक्रियासँ संबंधित सर्वोत्तम अभ्यास पर आधारित शिक्षणक उच्चतम मानककेँ अपनाबैथि। ओ शिक्षण आ अधिगमक लेल महत्वपूर्ण कौशलक अनुप्रयोगमे पेशेवर रूपसँ सक्षम हेताह। उन्नत शिक्षक प्रवीण स्तर पर शिक्षकक लेल सहकर्मी नेताक भूमिकाक निर्वहन करताह। उन्नत शिक्षककेँ हुनक अभ्यासक लेल प्रधानाचार्य/प्रमुख/वरिष्ठ पदाधिकारी लोकनि द्वारा देखल जाएत आ तदनुसार प्रशिक्षित कएल जाएत। एकबेर जखन उन्नत शिक्षक अगिला कैरियर चरणक लेल तैयार भ' जाइत छथि, तँ हुनका विशेषज्ञ शिक्षकक दर्जा प्राप्त करबामे मार्गदर्शन देल जएतनि। एहि कैरियर स्तर पर ओ बेसी एजेंसीक संग आवेदन करबा, अनुकूलन करबा आ कार्य करबाक लेल पर्याप्त रूपसँ जागरूक हेताह, विषय-क्षेत्रमे विकासक संबंधमे जागरूक होएब, कौशल एकीकरण आ पाठ्यक्रम सामग्रीक संग नव पाठ्यचर्या सामग्रीक संग काज करब आदिक हेतु सक्षम हेताह। ओ विद्यार्थीक व्यक्तिगत आ विविध शिक्षण आवश्यकताकेँ संबोधित करबा, शिक्षार्थी आ शिक्षण संदर्भकेँ बुझलाक पश्चात चिंतन करबा, तुलना करबा, नवाचार करबा आ समस्याक समाधान करबामे सक्षम हेताह। ओ तात्कालिक, मध्यम आ दीर्घकालिक छात्र अधिगम/शैक्षणिक लक्ष्यक लेल रणनीति बनएबा, चुनौतीक समाधान करबा आ विद्यालय आ समुदायमे विविध हितधारक लोकनिक संग काज करबामे सक्षम हेताह।

3. विशेषज्ञ शिक्षक :

एहि स्तर पर शिक्षक लोकनिसँ अपेक्षा कएल जाइत अछि जे परामर्शक वा सहकर्मी नेताक भूमिका लेल असाधारण क्षमताक संग उच्चतम मानककेँ अपनाबथि आ आन शिक्षककेँ हुनक क्षमता सुधारबामे मदति करथि, संगहि विद्यालयक व्यावसायिक विकास कार्यक्रमक नेतृत्व सेहो करथि। एहि कैरियर स्तर पर, एक शिक्षक अपन शिक्षण अभ्यासमे लगातार सर्वोत्तम स्तरक प्रदर्शन करताह, सहयोगात्मक रूपसँ काज करताह आ अपन अपन सहकर्मी लोकनिकेँ हुनक अधिगम आ अभ्यासकेँ आगू बढ़एबाक लेल परामर्श देताह। एकर अतिरिक्त, एक विशेषज्ञ शिक्षक अपन आ अपन सहकर्मी आ विद्यार्थीक अधिगमक आवश्यकता पर विचार करैत, अपन पेशेवर ज्ञान आ अभ्यासकेँ विकसित करबाक निरंतर प्रयास करताह। विशेषज्ञ शिक्षक सहकर्मी अवलोकनमे शामिल हेताह आ अपन आ दोसराक अधिगमक लेल जिम्मेदार हेताह। विशेषज्ञ शिक्षक अगिला कैरियर चरणमे आगू बढ़बाक लेल दोसराकेँ परामर्श देताह। हुनका कौशल प्राप्त करबा आ अगिला कैरियर चरणसँ संबंधित साक्ष्य विकसित करबाक दिशामे निर्देशित कएल जएतनि। ओ विद्यालयमे शिक्षण समुदाय विकसित क' कए अपन स्वयं केर शिक्षण अभ्यास आ दोसराक शिक्षण अभ्यासकेँ बेहतर बनएबाक असाधारण क्षमताक प्रदर्शन करताह।

3.3 योग्यताक वृद्धि आ विकास

ऊपर वर्णित सभ व्यावसायिक क्षेत्रमे क्षमताक विकास आ वृद्धि, संभव आ वांछनीय दुनू अछि। ई वृद्धि आ विकास शिक्षणसँ संबंधित सभ प्रकारक योग्यता पर लागू होइत अछि: ज्ञान, दृष्टिकोण, विश्वास, कौशल, स्वभाव, मूल्य, शिक्षणक सामग्री/विषय-वस्तु, शिक्षार्थी लोकनिक समझ, समुदाय, शिक्षाक दार्शनिक उद्देश्य, आदि। सामान्य तौर पर एहि तरहक विकासक तीनटा मार्ग अछि:

क. अनुभव- अनुभव आ चिंतनसँ शिक्षककेँ शिक्षण पद्धतिक संबंधमे बेसी समझ प्राप्त होइत अछि, ओकर ज्ञान बढ़ैत अछि, सिद्धान्त आ विश्व, संदर्भ, शिक्षार्थी आ अधिगमक प्रक्रियाक संग-संग शैक्षिक उद्देश्यक समझ बढ़ैत अछि। शुरूआतमे शिक्षकक ध्यान शिक्षणक दिनचर्यासँ बेसी परिचित हेबाक आ विभिन्न व्यावसायिक आ कार्यस्थलक माँगक आदी हेबाक आवश्यकता पर केन्द्रित होइत अछि जे कोनहुँ व्यवसायक लेल सामान्य अछि। धीरे-धीरे, शिक्षणक मुख्य कार्यमे संलग्न हेबा, अधिगमकेँ सक्षम बनएबा आ सभ छात्रक लेल शैक्षिक लक्ष्यक प्राप्तिक लेल बेसी मानसिक समय उपलब्ध भ' जाइत अछि। सेवा-पूर्व शिक्षक शिक्षा चरणक दौरान 'सैद्धान्तिक' शिक्षाक महत्त्व आ मूल्य सेहो बेसी स्पष्ट भ' जाइत अछि आ शिक्षक द्वारा एकरा महत्त्व देल जाइत अछि। शिक्षक लोकनिमे पेशेवर पहिचान आ पेशाक संबंधमे समझक सेहो बेहतर भाव विकसित होइत अछि। सभ शिक्षक अनुभवक माध्यमसँ सीखैत आ विकसित होइत छथि।

ख. संपर्कमे आएब (एक्सपोजर) आ अंतःक्रिया- व्यावसायिक शिक्षाक सामाजिक प्रकृतिकेँ आब तेजीसँ स्वीकार कएल जा रहल अछि। संगी आ सहकर्मी लोकनिसँ बात क' कए अधिगम आ 'अन्यत्र चीज सभ कोना कएल जाइत अछि' आदिक संबंधमे जानब शिक्षकक लेल अधिगम आ विकासक महत्त्वपूर्ण स्रोत अछि। सम्मेलन आ कार्यशालामे भाग लेब, अभ्यास आ व्यावसायिक शिक्षाक समुदायक हिस्सा बनब आ शिक्षाक अतिरिक्त आन कार्यस्थल पर कार्यक्रमक अनुभव शिक्षककेँ चिंतन करबा आ अधिगमक अवसर प्रदान करैत अछि।

ग. सतत व्यावसायिक विकास - कार्यशाला, क्षमता निर्माण सत्र, कौशल उन्नयन पाठ्यक्रम-निरंतर व्यावसायिक विकासक लेल ऑनलाइन आ ऑफलाइन, नव ज्ञान, अभ्यासकेँ अधिगम वा नव कौशल क्षेत्र आ दक्षताकेँ विकसित करबा, संबद्ध दक्षताकेँ विकसित करबाक अवसर प्रदान करैत अछि, जाहिसँ नव कैरियरक मार्ग प्रशस्त होइत अछि। एहि प्रकारेँ, ई नव क्षेत्रक संबंधमे जानबा आ अधिक विशेषता विकसित करबाक एक महत्त्वपूर्ण अवसर अछि।

3.4 शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी)

सामान्यतः मानककेँ शिक्षणक गुणवत्ताकेँ प्रभावी तरीकासँ परिभाषित करबा आ ओकर मानचित्रण करबाक लेल देखल जाइत अछि। ओ "उत्तम शिक्षण"क प्रतिनिधित्व करैत अछि, संगहि इहो बतबैत अछि जे "मानककेँ पूरा

करबाक" अर्थ की अछि। व्यावसायिक रूपसँ, एहि मानककेँ ओकर उद्देश्य आ कवरेजक आधार पर वर्गीकृत कएल जाइत अछि। ई मानक सामान्य भ' सकैत अछि वा संबंधित कार्यक्षेत्रक लेल विशिष्ट भ' सकैत अछि। एकरा बुनियादी रूपसँ सेहो परिभाषित कएल जा सकैत अछि, जाहिमे सभ शिक्षण पेशेवरकेँ एक संग शामिल कएल जा सकैत अछि, वा विभिन्न कैरियर चरणक लेल क्रमिक रूपसँ परिभाषित कएल जा सकैत अछि, जे कुशल विशेषज्ञ शिक्षक धरि पहुँचबाक मार्ग प्रदान करैत अछि।

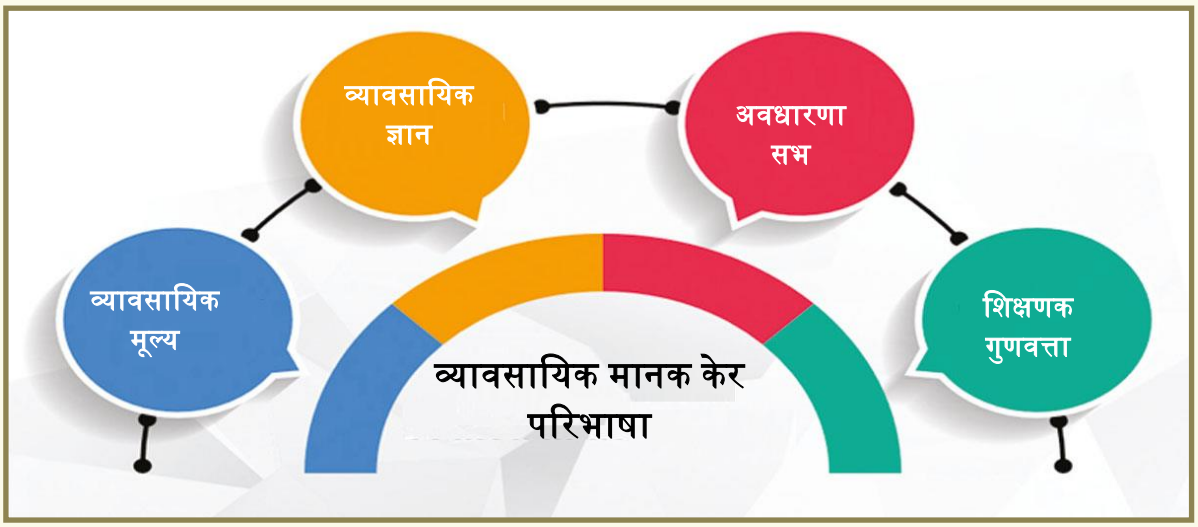

चित्र 2 व्यावसायिक मानक आ योग्यता पर चित्रण

एनईपी 2020 केर उद्देश्य प्राप्त करबाक लेल, एहि तीनो विषय-क्षेत्रमे मानककेँ विस्तृत रूपसँ परिभाषित कएल गेल अछि, जाहिसँ शिक्षण पेशेवरक आजीवन कैरियर विकासकेँ कवर कएल जा सकए। एनपीएसटी केर एक सामान्य मार्गदर्शक सेट एनसीईआरटी, एससीईआरटी, विभिन्न स्तर आ क्षेत्रक शिक्षक, शिक्षक तैयारी आ विकासमे विशेषज्ञ संगठन, विशेषज्ञ निकाय आ उच्च शिक्षण संस्थानक परामर्श विकसित कएल गेल अछि।

4. शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यवसायिक मानक रूपरेखा

शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक कैरियर आयामकेँ शिक्षण कार्यक विशिष्ट पहलूक माध्यमसँ वर्णित कएल जा सकैत अछि। एहि ढाँचाकेँ निम्नलिखित तीन परस्पर संबंधित क्षेत्रमे व्यवस्थित कएल गेल अछि, जेकरा 'मानक' कहल जाइत अछि, जाहिमे कैक सम्मिलित क्षेत्र वर्णित अछि।

4.1 मानक 1: मुख्य मूल्य आ नैतिकता – ई मानक ओहि मूल्य आ नैतिकतासँ संबंधित क्षेत्रकेँ कवर करत जेकर विकास एक शिक्षक सँ अपेक्षित अछि। शिक्षण पेशामे मुख्य मूल्य आ नैतिकता महत्त्वपूर्ण भूमिकाक निर्वहन करैत अछि। ओ मार्गदर्शक सिद्धान्तक रूपमे काज करैत अछि जे शिक्षकक मूल्यक व्यावसायिक विकासकेँ आकार दैत अछि जेना कि कक्षाक भीतर ईमादारी, व्यावसायिकता, सम्मान, विश्वास आ आपसी समझक प्रति प्रतिबद्धता, आ शिक्षककेँ अपन शैक्षणिक कौशल आ आजीवन अधिगमकेँ लगातार निखारबामे मदति करैत अछि। एहि मूल्य आ नैतिकताकेँ स्थिर राखैत, शिक्षक समानता आ समावेशिताक नेओ राखैत छथि।

चित्र 3 मुख्य मूल्य आ नैतिकता पर चित्रण

4.2 मानक 2: ज्ञान आ शिक्षण-अभ्यास – ई मानक एहि बातसँ संबंधित क्षेत्रकेँ कवर करैत अछि जे प्रत्येक कैरियर चरणमे प्रभावी ढंगसँ कार्य करबाक लेल एक शिक्षकसँ अपन छात्र आ शिक्षण-अधिगमक संबंधमे की जानबा आ बुझबाक अपेक्षा कएल जाइत अछि। मानक इहो बतबैत अछि जे एक शिक्षक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया आ अधिगम मूल्यांकन करैत काल बञ्चाक उपयुक्त अधिगम अनुभव कोना डिजाइन करैत अछि। शिक्षक ज्ञान एवं अभ्यासक क्षेत्र बहुत पैघ व्यापक अछि आ एहिमे विषय-वस्तुक ज्ञान आ संबंधित शैक्षणिक सामग्रीक ज्ञान, विषय-वस्तुकेँ प्रस्तुत करबाक तरीकाक ज्ञान, शैक्षिक उद्देश्य आ राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली, नीति आ इतिहासक ज्ञान, अधिगमक सिद्धान्तिक ज्ञान आ शिक्षार्थी संदर्भक विशिष्ट ज्ञान, आ शैक्षिक अभ्यासक ज्ञान शामिल अछि। ज्ञान आ अभ्यासमे चीजकेँ करबाक क्षमता आ प्रवृत्ति आ एजेंसीक भावना शामिल होइत अछि: छात्र लोकनिकेँ समावेशी आ सार्थक रूपसँ संलग्न करब, योजना बनाएब, पढाएब, आकलन करब आ प्रतिबिंबित करब, संसाधनक चयन, विकास आ उपयोग करब, कक्षा, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, 'क्षेत्र भ्रमण' गली आ खेलक मैदान सहित विभिन्न पाठ्यचर्या स्थलमे अधिगमक अनुभवकेँ डिजाइन करब आ कर्यान्वित करब आ सभ छात्रकेँ समग्र रूपसँ अधिगम आ विकसित करबामे सहायता करब अछि।।

चित्र 4 ज्ञान आ शिक्षण-अभ्यासक चित्रण

4.3 मानक 3: व्यावसायिक प्रगति आ विकास – ई मानक एहि बातसँ संबंधित क्षेत्रकेँ कवर करैत अछि जे सतत व्यावसायिक विकास (CPD) कार्यक्रममे भागीदारीक माध्यमसँ प्रत्येक कैरियर स्तर पर पेशेवर ज्ञान/ क्षमता आ अभ्यासमे सुधार करबाक लेल एक शिक्षकसँ की अपेक्षा कएल जाइत अछि। पेशेवरक रूपमे शिक्षकक अपन व्यावसायिक पहिचानकेँ महत्त्व देबाक चाही आ अपन क्षमताकेँ बढएबा आ विकसित करबाक लेल निरंतर प्रयास करबाक चाही। जेहन कि एहि निर्देशिकामे प्रयुक्त योग्यताक संक्रियात्मक परिभाषामे स्पष्ट कएल गेल अछि, दक्षता-ज्ञान, स्वभाव आ क्षमताक एहि सभ रूपकेँ सम्मिलित करैत अछि

चित्र 5 व्यावसायिक प्रगति आ विकासक चित्रण

मानक 1: मुख्य मूल्य एवं नैतिकता			
एक शिक्षकसँ अपेक्षित मुख्य मूल्य आ व्यावसायिक नैतिकता			
क्षेत्र	प्रवीण शिक्षक	उन्नत शिक्षक	विशेषज्ञ शिक्षक
भारतीय संविधानमे निहित संवैधानिक मूल्य	संवैधानिक मूल्यक संदर्भमे तर्क करबा, प्राथमिकता तय करबा, प्रतिबिंबित करबा आ व्याख्या करबाक क्षमता		
	सूचनाक नैतिकता एवं उत्तरदायित्वक संग प्रयोग एवं छात्रक गरिमा सुनिश्चित करबाक क्षमता।		
	भारतीय संविधानक अनुच्छेद 51 A मे देल गेल मौलिक कर्त्तव्यक संबंधमे जागरूकता एवं ओकरा पर अमल		
	कानूनी दायित्व, नियम, विनियम, नीतिकेँ बुझबा आ परस्पर विरोधी स्थितिक मामिलामे नैतिक रूपसँ तर्क करबा आ जटिल वातावरणसँ निपटबाक क्षमता		
व्यावसायिक संबंध	शिक्षार्थी लोकनिक हेतु सह-पाठ्यक्रम अवसरकेँ आरंभ करबाक लेल आन पेशेवर आ संगठनक संग संपर्क करब		
	छत्रक सभक समग्र विकासमे माय-बाप आ समुदायक भूमिकाकेँ पहिचानब आ स्वीकार करब		
	संसाधन आदिकेँ साझा करबाक लेल अपन विद्यालय आ आन संस्थान आ समुदायक बीच आपसी संबंध बनाकए राखबाक क्षमता		
	विद्यालयक अंदर आ बाहर विभिन्न हितधारक लोकनिक संग संबंधकेँ पोषित करबा आ जटिल आ चुनौतीपूर्ण परिस्थितिमे संवाद स्थापित करबा वा समाधान ताकबाक क्षमता		
	सभ छात्र लोकनिक लेल समावेशी रूपसँ शैक्षिक लक्ष्यकेँ प्राप्त करबा, विद्यालय सभक सदस्यक लेल अनुकूल कार्य वातावरण आ कल्याण सुनिश्चित करबाक लेल संस्थाकेँ कुशलतापूर्वक आ प्रभावी ढंगसँ कार्य करबामे सक्षम बनएबा आ लक्ष्य आ रणनीति निर्धारित करबाक क्षमता		

मानक 2: ज्ञान आ शिक्षण-अभ्यास				
कक्षामे प्रभावी शिक्षणक लेल शिक्षककेँ की ज्ञान एवं बोध हेबाक चाही आ ओकरासँ केहन व्यवहारक अपेक्षा कएल जाइत अछि।				
क्षेत्र	**उप-क्षेत्र**	**प्रवीण शिक्षक**	**उन्नत शिक्षक**	**विशेषज्ञ शिक्षक**
प्रत्येक बच्चाक विशिष्ट क्षमताक पहिचान करब आ ओकरा बढ़ावा देब	बाल विकास आ ओकर अधिगम पर प्रभाव	विकासक विभिन्न चरण आ क्षेत्र (संज्ञानात्मक, भाषाई, सामाजिक, भावनात्मक आ शारीरिक) सँ संबंधित सिद्धान्तक बोध	छात्रक अधिगम आ विकासक स्वरूपक पहिचानक लेल बाल विकासक ज्ञान एवं बोधक अनुप्रयोग।	सभ छात्रक लेल बाल विकास सिद्धान्तक आदर्श अनुप्रयोग।
	शिक्षार्थी विविधता	विभिन्न प्रकारक अधिगमकर्ता विविधता (अधिगमक शैली, अधिगमक आवश्यकता, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, संस्कृति, भाषा, पारिवारिक संरचना आदि सहित) केर स्पष्ट बोध विकसित करब आ विद्यालय आ कक्षामे एहि विविधताकेँ ध्यानमे राखिकए शिक्षण एवं आचरण करब।	छात्रक विविध आवश्यकताकेँ पूरा करबाक लेल आ एकटा समावेशी कक्षा बनएबाक लेल अधिगमक संसाधनक अनुप्रयोग	कक्षाक अनुभवक आधार पर अलग-अलग छात्रक विविध आवश्यकताक निदान करबा आ ओकरा संबोधित करबाक क्षमता।
	दिव्यांग आ प्रतिभाशील छात्रकेँ अधिगमक आवश्यकता	विभिन्न प्रकारक दिव्यांगता एवं ओकर विशेष अधिगम आवश्यकता संग-संग प्रतिभाशाली छात्र लोकनिक लेल ज्ञानक उचित अनुप्रयोग आ ओकर अधिगमकेँ बढ़ावा देबाक लेल रूपरेखाकेँ तैयार करब	कक्षामे विभिन्न विद्यार्थीक आवश्यकता केर पहिचान करबा आ ओकरा संबोधित करबाक लेल विशेष आवश्यकताक ज्ञानक अनुप्रयोग	विशेष आवश्यकताक पहिचान करबाक क्षमता, जेकरा विशेषज्ञक हस्तक्षेपक आवश्यकता होइत अछि आ सहयोगी लोकनिसँ निपटबाक लेल उचित ज्ञान प्रदान करब।
विषयक ज्ञान प्रत्यात्मक बोध आ अनुप्रयोग		विषय-क्षेत्रक ज्ञान, बोध आ अनुप्रयोगक प्रसारमे क्षमताक प्रदर्शन करब	अंतः-विषयी आ अंतर-विषयी संबंधक अनुप्रयोग करब आ स्थानीय एवं स्वदेशी ज्ञानक समन्वय करब।	विषय-क्षेत्रमे विकासक संग अद्यतन रहब आ पाठ्यक्रम संचालनमे नव अवधारणा सभक प्रयोग करब।
पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रमक रूपरेखा	विषयक पाठ्यक्रमक लक्ष्य आ ओकर रूपरेखाक स्पष्ट बोध विकसित करब	सहकर्मी लोकनिक समन्वयसँ विषयक अतः-विषयी आ अंतर-विषयी संबंधकेँ बुझब आ ओकर विकास करब।	नवीनतम विकास आ नव ज्ञान पर विचार करैत पाठ्यक्रम संचालनमे संशोधन।

मानक 2: ज्ञान आ शिक्षण-अभ्यास				
कक्षामे प्रभावी शिक्षणक लेल शिक्षककेँ की ज्ञान एवं बोध हेबाक चाही आ ओकरासँ केहन व्यवहारक अपेक्षा कएल जाइत अछि।				
क्षेत्र	उप-क्षेत्र	प्रवीण शिक्षक	उन्नत शिक्षक	विशेषज्ञ शिक्षक
छात्र अधिगमक लेल विषय-वस्तुक विकास	अनुदेशात्मक/अध्यापन पद्धति आ अधिगमक वर्गीकरण	सामान्य अनुदेशात्मक अध्यापन पद्धति सभ, शिक्षणमे प्रयुक्त शिक्षण वर्गीकरण आ सामान्य शैक्षणिक विधि आ संसाधनक समझ	अपन विषय/शिक्षण क्षेत्रमे शिक्षण वर्गीकरण आ शैक्षणिक रणनीतिक उपयोग क' कए विकासात्मक रूपसँ उपयुक शिक्षण लक्ष्य/परिणाम विकसित करब।	सहकर्मीकेँ सहभागी पाठ योजनाकेँ बनएबाक लेल अधिगमक सिद्धान्त, अनुदेशात्मक/शैक्षणिक रणनीति आ आकर्षक पाठ योजना बनएबाक लेल अधिगमक वर्गीकरणक उपयोग करबामे सहयोगी लोकनिकेँ परामर्श देब।
	विभेदित अनुदेशन /शिक्षण	विभेदित अनुदेशन/शिक्षण रणनीति केर स्पष्ट समझ आ समझ प्रदर्शित करब आ अधिगममे छात्रक भागीदारी केँ प्रोत्साहित करबामे ओकर भूमिकाक स्पष्ट समझ होएब आ ओकर अनुप्रयोग करब।	छात्र लोकनिकेँ अधिगममे संलग्न करबाक लेल विभेदित अनुदेशनक अनुप्रयोग।	छात्रक सहभागिता बढ़एबाक लेल विकासात्मक रूपसँ उपयुक्त विभेदित गतिविधि आ रणनीति बनएबामे सहयोगी लोकनि केँ परामर्श प्रदान करब।
	जीवन यापन कौशल यथा आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मक चिंतन आ उच्च-क्रम चिंतन विकसित करबा हेतु योजना एवं उपकरण।	सामान्य अध्यापन पद्धतिक गहन समझक प्रयोग करब जे रचनात्मक चिंतन आ अन्य उच्च- स्तरीय चिंतनकेँ विकसित करैत अछि।	एहन कौशल विकसित करबाक लेल उपयुक्त शैक्षणिक रणनीति केर उपयोग करब।	ज्ञानक क्षेत्रमे विकसित नवीन सूचनाक आधार पर नवीन अध्यापन पद्धति एवं युक्ति सभक निर्धारण

मानक 2: ज्ञान आ शिक्षण-अभ्यास				
कक्षामे प्रभावी शिक्षणक लेल शिक्षककेँ की ज्ञान एवं बोध हेबाक चाही आ ओकरासँ केहन व्यवहारक अपेक्षा कएल जाइत अछि।				
क्षेत्र	**उप-क्षेत्र**	**प्रवीण शिक्षक**	**उन्नत शिक्षक**	**विशेषज्ञ शिक्षक**
अधिगम योजना	अधिगमक लक्ष्य आ उद्देश्य	मापन योग्य आ प्राप्त करबा योग्य अधिगमक लक्ष्य आ उद्देश्यक बोध।	पाठ्यक्रम संरचनाक अनुरूप विषयक लेल मापन योग्य एवं प्राप्य अधिगम लक्ष्य एवं उद्देश्यक निर्धारण।	उच्च अपेक्षा, चुनौतिपूर्ण मुदा प्राप्य लक्ष्यकेँ विकसित करबाक क्षमताक विकास, एवं छात्र लोकनिक बिविध आवश्यकताक पूर्ति करैत, ओकर समग्र विकासक लेल कार्य करब।
	अधिगमक अनुभवक योजना बनाएब	कोनो विशेष अधिगमक उद्देश्य लेल अधिगमक योजना विकसित करबाक क्षमता।	व्यक्तिगत अधिगमकर्ता आवश्यकताकेँ शामिल करैत विभेदित अधिगमक योजनाक निर्माण।	पाठ्यक्रमक आधार पर अंतर-संबंधित शिक्षण योजनाक शृंखलाक निर्माण करब।
अधिगमक लेल, अधिगमक रूपमे अधिगमक मूल्यांकन	मूल्यांकन पद्धति सभ	विभिन्न प्रकारक मूल्यांकन पद्धति आ उपकरणक समझ	छात्र लोकनिकेँ अधिगमक आवश्यकता आधार पर उचित मूल्यांकन पद्धति केर चयन करब	छात्र/कक्षाक विषयमे समग्र मत विकसित करबक लेल विविध स्रोतसँ प्राप्त डेटाक सदुपयोग करब आ उचित उपचारात्मक शिक्षणक द्वारा अधिगमकेँ प्रेरित करब
	मूल्यांक डेटा	मूल्यांकन डेटासँ छात्रक संबंधमे गहन समझ विकसित करब	छात्रक प्रदर्शन पर विशिष्ट प्रतिक्रिया छात्रक माय-बापक आ देखभाल करएवलाक बीच साझा करब	छात्र/कक्षाक प्रदर्शनक समेकित दृश्य बनएबाक लेल कैक स्रोतसँ डेटाक लाभ उठाएब आ उचित उपचारक माध्मससँ अधिगमक समर्थन करब

मानक 2: ज्ञान आ शिक्षण-अभ्यास				
कक्षामे प्रभावी शिक्षणक लेल शिक्षककेँ की ज्ञान एवं बोध हेबाक चाही आ ओकरासँ केहन व्यवहारक अपेक्षा कएल जाइत अछि।				
क्षेत्र	**उप-क्षेत्र**	**प्रवीण शिक्षक**	**उन्नत शिक्षक**	**विशेषज्ञ शिक्षक**
	संप्रेषण आ पृष्ठपोषण	छात्र आ अभिभावक लोकनिक संग छात्र प्रदर्शन डेटाक संचार आ प्रगति पर प्रतिक्रिया देब	छात्रक प्रदर्शन पर विशिष्ट प्रतिक्रिया छात्रक माय-बापक आ देखभाल करएवलाक बीच साझा करब	छात्रक शिक्षाक मार्गदर्शन करबाक लेल माता-पिता आ समुदायक सदस्यक संग सहयोग करब
शिक्षामे प्रौद्योगिकीक प्रयोग एवं समावेशन		शिक्षामे प्रौद्योगिकी केर भूमिकाकेँ बुझब	शिक्षण-अधिगम, मूल्यांकन आ कक्षा प्रबंधनक समर्थन करबाक लेल आईटीसी उपकरणक उपयोग करब	स्वयं आ सहकर्मीक लेल शिक्षण-अधिगम केर समर्थन करबाक लेल उपयुक्त तकनीकी संसाधन बनाएब
कक्षाक घटक आ गतिशीलता	सुरक्षित पोषणकारी आ अधिगम सहायक वातावरण	सुरक्षित आ समावेशी कक्षा बनएबाक लेल सुविधा आ संसाधनक उचित व्यवस्था	समावेशी आ सहायक शिक्षण वातावरणक स्थापना करब, जाहिमे छात्र लोकनिकेँ बिना कोनो भय केर राय साझा करबाक लेल प्रोत्साहित कएल जा सकए।	एक सुरक्षित एवं समावेशी कक्षाक विकासमे छात्रक सहयोग लेब
	कक्षा प्रबन्धन	कक्षा प्रबंधनक उपागमक ज्ञान आ ओकर प्रयोग करबाक क्षमताक प्रदर्शन	छात्र व्यवहारमे विविधधताकेँ बुझब आ समायोजित करब	छात्र लोकनिमे आत्मानुशासन, व्यक्तिगत जिम्मेदारी आ नेतृत्व विकसित करब (आदर्श)
	प्रभावी कक्षा संप्रेक्षण	विभिन्न मौखिक आ गैर-मौखिक कक्षा संचार रणनीतिकेँ बुझबाक क्षमता प्राप्त करब	अधिगमकेँ सहभागी बनएबाक लेल विभिन्न मौखिक आ गैर-मौखिक कक्षा संचार रणनीति केर उपयोग करब आ	सहकर्मी लोकनिकेँ कक्षामे संप्रेषण सुधारबामे सहायता/परामर्श देबाक लेल रचनात्मक

मानक 2: ज्ञान आ शिक्षण-अभ्यास				
कक्षामे प्रभावी शिक्षणक लेल शिक्षककेँ की ज्ञान एवं बोध हेबाक चाही आ ओकरासँ केहन व्यवहारक अपेक्षा कएल जाइत अछि।				
क्षेत्र	उप-क्षेत्र	प्रवीण शिक्षक	उन्नत शिक्षक	विशेषज्ञ शिक्षक
			ओकर जवाब देब	प्रतिक्रिया प्रदान करब
	भाषाई विविधता आ बहुभाषिकता	भाषाई विविधता आ प्रासंगिक भाषा सभमे दक्षताक अछैत सभ बच्चाक प्रति समावेशिताक प्रदर्शन करब	कक्षामे बहुभाषिकताकेँ लागू करबामे सहकर्मीक सहयोग करब जाहिसँ शिक्षण आ अधिगममे सुविधा होमए	शिक्षण अधिगमकेँ सुगम बनएबाक लेल बहुभाषिकताक प्रयोगक समर्थन

मानक 3: व्यावसायिक क्षेत्रमे प्रगति एवं विकास			
व्यावसायिक क्षेत्रमे प्रगति एवं विकासक क्षमता			
क्षेत्र	प्रवीण शिक्षक	उन्नत शिक्षक	विशेषज्ञ शिक्षक
अधिगमत आवश्यकता	स्वयं केर व्यावसायिक विकासक लेल अधिगमक आवश्यकताकेँ पहिचान करब आ लक्ष्य निर्धारित करब	हितधारक लोकनिसँ प्राप्त सुझावक आधार पर व्यावसायिक विकासक लेल योजना बनाएब	सहकर्मी लोकनिक लेल व्यावसायिक विकासक लेल योजना बनाएब एवं अवसर उपलब्ध कराएब
चिंतनशील अभ्यास	चिंतनशील अभ्यासक समझ आ प्रदर्शन करब	स्वयं केर शिक्षण अभ्यासकेँ संशोधित करबाक लेल चिंतन करब	सहकर्मी लोकनिकेँ चिंतन क्षमताक प्रयोग करबाक लेल सहायता वा मार्गदर्शन देब
अधिगम समुदायसँ संलग्नता एवं सहभागिता	विद्यालयक भीतर आ बाहर अधिगम अवसरमे सहभागिता करब	सम्मेलन, सेमिनार वा वेबिनारमे अपन शोध वा अधिगमकेँ प्रस्तुत करब	विद्यालयक भीतर शिक्षण समुदायक शुरूआत करब आ व्यावसायिक विकास सत्रक आयोजन करब

5. कार्यान्वयन

एनसीटीईमे एकटा डिजिटल प्लेटफार्म, राष्ट्रीय शिक्षक गुणवत्ता केन्द्र (एनसीटीक्यू) केर स्थापना कएल गेल अछि, जाहिमे शिक्षक लोकनिक लेल संग्रह होएत आ ई एनपीएसटी केर संचालनक लेल जिम्मेदार होएत। एकर अतिरिक्त, अधिक संसाधित लोक/एजेंसीक निर्माणक लेल हितधारक/कार्यान्वयन एजेंसीक क्षमता निर्माण कार्यक्रम आरंभ कएल जाएत। एनपीएसटी मार्गदर्शक निर्देशिकाक कार्यान्वयन आ प्रभाव मूल्यांकनक कार्य देशभरिमे 1175 शिक्षकक संग-संग 75 केन्द्र सरकारक स्वामित्व वला विद्यालय (25 केवीएस+ 25 एनवीएस + सीबीएसई) मे शुरू कएल गेल अछि। प्रारंभिक कार्यक्रमक उद्देश्य, जेहन कि नीचाँ उल्लिखित कएल गेल अछि, प्राप्त कए लेल गेल अछि:

- शिक्षकक योग्याता स्तर आ कैरियर चरणक पहिचान करब
- शिक्षक कौशल/योग्यता आ शिक्षण अभ्यास पर एनपीएसटी पायलटकेँ प्रभावकेँ नापब
- एनपीएसटी कार्यान्वयन रणनीति पर हितधारक लोकनिक प्रतिक्रिया एकत्र करब

5.1 कार्य-योजना

एनपीएसटीमे शिक्षक गुणवत्ताक मानचित्रणक लेल मानककेँ स्पष्ट रूपसँ परिभाषित क' कए शिक्षक दक्षतामे सुधारक लेल विकासात्मक पथक संकेत द' कए शिक्षामे आमूलचूल परिवर्तन लएबाक क्षमता आछि। कार्ययोजनाक संकल्पना कएल गेल अछि आ नियंत्रित तरीकासँ एनपीएसटीक संचालनक दौरान एकर परीक्षण कएल गेल अछि। कार्ययोजनाक प्रक्रियामे निम्नलिखित चरण शामिल अछि:

- लक्ष्य समूहक पंजीकरण
- मानकक अनुप्रयोग – शिक्षकक कैरियर चरणक पहिचान
- गुणात्मक मूल्यांकन

एनपीएसटीक अनुसार, एक शिक्षककेँ अपन शिक्षण कैरियरक दौरान अपन कौशल आ क्षमताकेँ विकसित करबाक आवश्यकता होइत अछि। शिक्षक स्व-मूल्यांकन उपकरणक संग-संग आन मूल्यांकन उपकरणक सहायतासँ अपन योग्यताक पता लगएबामे सक्षम हेताह। औपचारिक मूल्यांकनमे शिक्षक योग्यता पोर्टफोलियोक विकास शामिल होएत, जाहिमे शिक्षण प्रदर्शनक साक्ष्य, कक्षा प्रदर्शन, हितधारक लोकनिसँ फीडबैक (360) डिग्री आ संगी आ सलाहकार लोकनिक अवलोकन रिपोर्ट शामिल होएत। परीक्षण/मूल्यांकनक लेल उपकरण/सामग्री जाहिमे प्रदर्शन संकेतक (पीआई) केर प्रारूप आदि शामिल अछि। अध्याय-6 मे देल गेल सुझावात्मक मूल्यांकन ढाँचाक आधार पर विकसित कएल जा सकैत अछि।

एनपीएसटीकेँ लागू करबाक कार्ययोजना एहि प्रकारेँ अछि-

क. एनपीएसटी मार्गदर्शक निर्देशिकाक शुभारंभ आ कार्यान्वयनक लेल जिम्मेदार संस्था/एजेंसीक क्षमताक निर्माण।

ख. राज्य/संघ शासित प्रदेश द्वारा एनपीएसटी मार्गदर्शक निर्देशिकाकेँ अपनाएब

ग. एनपीएसटीकेँ शिक्षक व्यावसायिक विकास, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण आदिक संग एकीकृत करब, जेहन कि एनईपी 2020 केर पैरा 5.20 मे परिकल्पित अछि।

घ. शिक्षककेँ सक्षम बनएबाक लेल संसाधन/सामग्री/स्व-विकास मार्गदर्शिका/मूल्यांकन उपकरणक विकास।

5.2 अनुप्रयोग

क. एनपीएसटी केर क्रियान्वयन उपयुक्त राज्य/संघ राज्य क्षेत्रक सरकार द्वारा नामित उपयुक्त इकाई द्वारा कएल जाएत आ एहि प्रकारेँ केन्द्र सरकारक अधीन संगठन/निकायक मामिलामे सेहो कएल जाएत।

ख. उपयुक्त नामित इकाई (केन्द्रीय/राज्य) एकटा विस्तृत प्रक्रिया तैयार करत आ शिक्षक व्यावसायिक विकास आ कैरियर प्रबंधनक लेल एनपीएसटी मार्गदर्शक दस्तावेजक संग कार्यान्वयन आ एकीकरणक लेल निर्देश निर्धारित करत।

ग. उपयुक्त सरकार एनपीएसटी पर एनसीटीई केर संग संपर्क स्थापित करबाक उद्देश्यसँ एकटा नोडल अधिकारी नियुक्त करत।

घ. एनसीटीई नोडल अधिकारी लोकनिक बैसार/कार्यशाला सभ आयोजित करत।

ङ. एनपीएसटी केर कार्यान्वयनक लेल जिम्मेदार प्रत्येक नामित निकाय एनसीटीई केर संग विवरण साझा करत।

च. एनसीटीई डेटाबेस बनाकए राखत आ उपकरण सहित विशेषज्ञ आ संसाधनक भंडार होएत आ एकरा उपयुक्त सरकार/निकायक संग साझा करत।

छ. एनपीएसटीकेँ देशभरिमे शिक्षक व्यावसायिक विकास आ कैरियर प्रबंधनक संग एकीकृत कएल जाएत जेहन कि एनईपी 2020 केर पैरा 5.20 मे परिकल्पित कएल गेल अछि।

5.3 आवधिक समीक्षा

व्यावसायिक मानक केर समीक्षा कएल जाएत आ मानकक प्रभावकारिताक कठोर अनुभवजन्य विश्लेषणक आधार पर समय-समय पर ओकरा संशोधित कएल जाएत।।

6. एनपीएसटी केर रूपरेखा पर आधारित मूल्यांकन उपकरण

मानक 1: मुख्य मूल्य आ नैतिकता

क्षेत्र 1: भारतक संविधानमे निहित संवैधानिक मूल्य
एसडी 1.1- संवैधानिक मूल्यक संदर्भमे तर्क करबा, प्राथमिकता निर्धारित करबा, चिंतन करबा आ व्याख्या करबाक क्षमता
101.1 सभ छात्र आ सहकर्मी लोकनिक संग सम्मान आ निष्पक्षतासँ व्यवहार करू। 1.1.2 एकटा सुरक्षित वातावरण बनाकए सभक बीच एकता आ सद्भावकेँ बढ़ावा दैत अछि जतए लोक अपन विचार आ भावनाकेँ साझा करबाक लेल स्वतंत्र अनुभव करए।
एसडी 1.2-सूचनाक नैतिक आ उत्तरदायी उपयोग करब आ छात्रक गरिमा सुनिश्चित करबाक क्षमता
1.2.1 छात्रक जानकारीक सुरक्षा करैत अछि आ एकरा ताधरि साझा नहि करैत अछि जाधरि प्राधिकारी द्वारा विशिष्ट प्रयोजनक लेल एहन आवश्यक नहि होमए।
एसडी 1.3-भारतीय संविधानक उनुच्छेद 51 A मे देल गेल मौलिक कर्त्तव्यक प्रति जागरूकता आ ओकर पालन
1.3.1. सभ छात्र लोकनिमे सक्रिय रूपसँ अपन देशक प्रति प्रेम आ अपन समृद्ध एवं विविध विरासत पर गर्वक भावना जागृत करब। 1.3.2. छात्र लोकनिकेँ पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक सोच विकसित करबा आ राष्ट्रीय विकासमे योगदान देबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।
एसडी 1.4-कानूनी दायित्व, नियम, विनियम, नीतिकेँ बुझबाक क्षमता, आ संघर्षपूर्ण स्थितिमे नैतिक रूपसँ तर्क करबाक जटिल वातावरणमे समझौता करबाक क्षमता
1.4.1. राज्यक नियम (विद्यालयक संग-संग राज्यक नियम) केर निष्ठापूर्वक पालन करब आ ओकरा अनदेखी करब वा तोड़बाक परिणामसँ अवगत रहब। 1.4.2. छात्र आ सहकर्मीकेँ नियमक पालन करबाक लेल प्रोत्साहित आ समर्थन करैत अछि आ समस्या उत्पन्न भेला पर ओकरा हल करबामे सहायता करैत अछि।
क्षेत्र 2: व्यावसायिक संबंध
एसडी 2.1- शिक्षार्थी लोकनिक लेल सह-पाठ्यक्रम गतिविधिक अवसर उपलब्ध करएबाक लेल व्यावसायिक आ संगठन सभक संग अंतःक्रिया करब

2.1.1. छात्र सभक लेल विविध शिक्षण अवसर बनएबाक लेल विद्यालयमे सहकर्मी आ आन व्यवसायीक संग सहयोग करब। 2.1.2. छात्र लोकनिक लेल यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करैत अछि आ एक सहायक शिक्षण संस्कृति बनाकए ओकरा प्राप्त करबामे मदति करैत अछि जतए सभ किओ सुरक्षित आ महत्त्वपूर्ण अनुभव करैत अछि।
एसडी 2.2- छात्र सभक समग्र विकासमे माता-पिता आ समुदायक भूमिकाकेँ स्वीकार करब आ बुझब
2.2.1. माता-पिता आ समुदायक संग भरोसेमंद रिश्ता बनाएब जाहिसँ ई सुनिश्चित भ' सकए जे छात्र लोकनिकेँ घर आ समाजमे अधिगममे सहायता भेटए।
एसडी 2.3- संसाधन आदिकेँ साझा करबाक लेल अपन विद्यालय आ आन संस्था आ समुदायक बीच पारस्परिक संबंध बनाकए राखबाक क्षमता
2.3.1. छात्र लोकनिक अधिगमक अनुभवकेँ समृद्ध करबाक लेल आन विद्यालय आ समुदायक शिक्षकक संग मजगूत संबंध बनाएब
एसडी 2.4- विद्यालयक भीतर आ बाहर विभिन्न हितधारक लोकनिक संग संबंधकेँ पोषित करबा आ जटिल आ चुनौतीपूर्ण वातावरणसँ निपटबाक क्षमता
2.4.1. धैर्य आ विश्वासक संग संबंधक प्रबंधन करब आ ई सुनिश्चित करब जे सभ लोक संवैधानिक मूल्य आ दृष्टिकोणकेँ बनाकए राखए।
एसडी 2.5- सभ छात्रक लेल समावेशी शैक्षिक लक्ष्यकेँ प्राप्त करबा आ विद्यालयक सभ सदस्यक लेल अनुकूल वातावरण आ कल्याण सुनिश्चित करबाक लेल संस्थाकेँ प्रभावी आ कुशलतापूर्वक कार्य करबामे सक्षम बनएबाक लेल लक्ष्य रणनीति निर्धारित करबाक क्षमता।
2.5.1 छात्रक लेल यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करैत अछि आ ओकरा एक सहायक शिक्षण संस्कृति बनाकए ओकरा प्राप्त करबामे मदति करैत अछि जतए सभ किओ सुरक्षित आ महत्त्वपूर्ण अनुभव करए। 2.5.2 स्वयं आ सहकर्मी लोकनिक लेल एक उत्पादक कार्य संस्कृतिमे योगदान दैत अछि।

मानक 2: ज्ञान आ शिक्षण अभ्यास

क्षेत्र 3: प्रत्येक छात्रक अद्वितीय क्षमताकेँ पहिचानब आ पोषित करब		
प्रवीण शिक्षक	**उन्नत शिक्षक**	**विशेषज्ञ शिक्षक**
एसडी 3.1-बाल विकास एवं ओकर अधिगम पर प्रभाव		
विकासक विभिन्न चरण आ क्षेत्र (संज्ञानात्मक, भाषाई, सामाजिक, भावनात्मक आ शारीरिक) सँ संबंधित सिद्धान्तक बोध	**छात्रक अधिगम आ विकासक स्वरूपक पहिचानक लेल बाल विकासक ज्ञान एवं बोधक अनुप्रयोग**	**सभ छात्रक लेल बाल सिद्धान्तक आदर्श अनुप्रयोग**

3.1.1. अधिगमक क्षमता आ उपलब्धिक संदर्भमे कक्षामे विविध आवश्यकताकेँ संबोधित करैत अछि।	3.1.2. छात्र लोकनिक विभिन्न शिक्षण आवश्यकताक समझक उपयोग करैत अछि आ एहि ज्ञानकेँ पाठ-योजना संचालनमे उचित रूपसँ सम्मिलित करैत अछि।	3.1.3. सहपाठी लोकनिकेँ छात्रक विभिन्न शिक्षण आवश्यकताकेँ बुझबामे सहायता करैत अछि आ एहि ज्ञानकेँ पाठ-योजनाक आ संचालनमे उचित रूपसँ शामिल करबामे सहायता करैत अछि।
एसडी 3.2-शिक्षार्थीक विविधता		
विभिन्नि प्रकारक शिक्षार्थी विविधता (अधिगमक शैली, अधिगमक आवश्यकता, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, संस्कृति, भाषा, पारिवारिक संरचना आदि सहित) केर स्पष्ट समझ विकसित करब आ विद्यालय आ कक्षामे एहि विविधताकेँ संबोधित करब	**छात्रक विविध आवश्यकताकेँ पूरा करबाक लेल शिक्षण संस्थानक ज्ञानक अनुप्रयोग आ एक समावेशी कक्षाक निर्माण**	**कक्षाक अनुभवक आधार पर व्यक्तिगत छात्रक विविध आवश्यकताक निदान करबा आ ओकर समाधान करबाक क्षमता**
3.2.1. सभ विद्यार्थीक संग समान व्यवहार करब एवं ओकर सामाजिक, सांस्कृतिक, लिंग वा धार्मिक पृष्ठभूमि पर ध्यान देने बिना विद्यालय आ कक्षाक गतिविधिमे भागीदारीकेँ प्रोत्साहित करब।	3.2.2. ई विभिन्न प्रकारक संसाधन प्रदान करैत अछि आ छात्रक व्यक्तिगत अख्यान साझा करबा आ अपन संदर्भसँ संबंधित राय व्यक्त करबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।	3.2.3. व्यक्तिगत शिक्षार्थीक आवश्यकताक निदान करब आ तदनुसार शिक्षण-अधिगम रणनीतिकेँ अपनाएब।
एसडी 3.3- दिव्यांग एवं प्रतिभाशाली छात्र लोकनिक लेल अधिगमक आवश्यकता		
विभिन्न प्रकारक दिव्यांगता आ ओकर विशेष अधिगम आवश्यकताक संग-संग प्रतिभाशाली बच्चा सभक आवश्यकताक संबंधमे ज्ञानक उचित अनुप्रयोग एवं ओकर आधिगमकेँ बढ़ावा देबाक लेल रूपरेखाकेँ तैयार करब।	**कक्षामे विभिन्न विद्यार्थीक आवश्यकताक पहिचान करब आ ओकरा संबोधित करबाक लेल विशेष आवश्यकताक ज्ञानक अनुप्रयोग**	**ओहि विशेष आवश्यकताक पहिचान करबाक क्षमता जेकरा लेल विशेषज्ञ हस्तक्षेपक आवश्यकता होइत अछि आ एहन परिस्थितिसँ निपटबाक लेल सहकर्मीकेँ सुझाव प्रदान करब**

3.3.1. कक्षाक वातावरण आ संसाधनकेँ एहि तरहेँ व्यवस्थित करब जे ओ विकलांग आ प्रतिभाशील छात्रक लेल सुलभ आ संवेदनशील होमए। 3.3.2. कक्षाक कार्यमे कठिनाई वला छात्रक प्रति धैर्यवान आ विचारशील होएब, जेना पढ़बा वा गणितसँ जुड़ल कार्य।	3.3.3. व्यक्तिगत छात्रक आवश्यकताक आधार पर विभिन्न प्रकारक उचित चुनौतीपूर्ण संसाधन आ अनुदेशात्मक रणनीतिक उपयोग करब। 3.3.4. छात्रक क्षमताक आधार पर छात्र समूहकेँ रणनीतिक रूपसँ व्यवस्थित करब जाहिसँ ओकरा अधिगममे मदति भेटि सकए।	3.3.5. विशेष आवश्यकता वला बच्चा सभक लेल व्यक्तिगत शिक्षा योजना (आईईपी) बनाएब। 3.3.6. एहन शैक्षणिक रणनीति पर संगी सभकेँ सलाह देब जेकरा विकलांग आ प्रतिभाशाली शिक्षार्थीक आवश्यकताक अनुरूप कक्षाकेँ बेसी समावेशी बनएबाक लेल अपनाओल जा सकैत अछि।

क्षेत्र 4: विषयक ज्ञान, प्रत्यात्मक बोध आ ओकर अनुप्रयोग		
प्रवीण शिक्षक	**उन्नत शिक्षक**	**विशेषज्ञ शिक्षक**
एसडी 4.1- विषयक ज्ञान, प्रत्यात्मक बोध आ ओकर अनुप्रयोग		
विषय-क्षेत्रक ज्ञान, समझ आ अनुप्रयोगक प्रसारमे क्षमताक प्रदर्शन करब	**अंतः-विषयी आ अंतर-विषयी संबंधक अनुप्रयोग करब एवं स्थानीय एवं स्वदेशी ज्ञानक समन्वय करब**	**विषय-क्षेत्रमे भ' रहल विकाससँ अवगत रहब आ पाठ्यक्रममे नव अवधारणा सभक प्रयोग करब**
4.1.1. अवधारणा सभकेँ पढ़एबाक लेल गतिविधि, कहानी, प्रयोग आदि सन विविध रणनीतिक उपयोग करब। 4.1.2. कक्षामे छात्र द्वारा उठाओल गेल प्रश्नकेँ आवश्यकतानुसार सटीक आ विस्तारसँ बुझाएब।	4.1.3 वर्तमान आ पछिला पाठक अवधारणाक बीच संबध स्थापित करब। 4.1.4. जतए कतहुँ लागू होमए, आन विद्यालयी विषय आ स्थानीय/स्वदेशी ज्ञानक संग संबंध स्थापित करब।	4.1.5. विषयक पाठ्यचर्या संबंधी अपेक्षा केँ पूरा करबाक लेल अध्यापन पद्धतिमे नवीनता आनैत अछि। 4.1.6. अपन विषय वा आन विषयसँ संबंधित शोध-लेख, पत्रिका आदिकेँ नियमित रूपसँ दर्शाबैत अछि।

क्षेत्र 5: पाठ्यक्रम		
प्रवीण शिक्षक	**उन्नत शिक्षक**	**विशेषज्ञ शिक्षक**
एसडी 5.1 - पाठ्यक्रमक रूपरेखा		
विषय/अनुशासनमे पाठ्यक्रमक लक्ष्य आ पाठ्यचर्याक रूपरेखाक स्पष्ट समझ विकसित करब	**अंतरः-विषयी आ अंतर-विषयक पाठ्यचर्या संबंधकेँ बुझबा आ विकसित करबाक लेल सहकर्मीक संग सहयोग**	**नवीनताम विकास आ नव ज्ञान पर विचार करैत पाठ्यक्रम संचालनक संशोधन आ विकास**
5.1.1 पाठ्यचर्चा संबंधी अपेक्षा आ विषयकेँ पढ़एबाक लक्ष्यकेँ ध्यानमे राखैत पाठ करब।	5.1.2 छात्र लोकनिमे समग्र शिक्षाकेँ सक्षम करबाक लेल विषयक पाठ्यक्रम आ आन विषयक बीच स्पष्ट संबंध बनबैत पाठक संचालन करब।	5.1.3 नियोजन आ संचालनसँ संबंधित विषयसँ संबंधित नवीनतम विचार शामिल करब। 5.1.4 कार्यशाला, पठन वा कोनो आन स्रोतसँ प्राप्त अधिगमकेँ नियोजन आ संचालनमे लागू करब।
क्षेत्र 6: छात्र अधिगमक लेल विषय-वस्तुक विकास		
प्रवीण शिक्षक	**उन्नत शिक्षक**	**विशेषज्ञ शिक्षक**
एसडी 6.1-अनुदेशात्मक/अध्यापन पद्धति आ अधिगमक वर्गीकरण		
सामान्य अनुदेशात्मक पद्धति, शिक्षणमे प्रयुक्त शिक्षण वर्गीकरण आ सामान्य शैक्षणिक विधि आ संसाधन सभक समझ	**अपन विषय/शिक्षण क्षेत्रमे शिक्षण वर्गीकरण आ अध्यापन पद्धतिक उपयोग करबाक विकासात्मक रूपसँ उपयुक्त शिक्षण लक्ष्य/परिणाम विकसित करब**	**अधिगमक सिद्धान्त, अनुदेशात्मक/अध्यापन पद्धति चयन करबा आ आकर्षक पाठ-योजना बनएबाक लेल अधिगमक वर्गीकरण उपयोग करबामे सहकर्मी लोकनिकेँ परामर्श देब**
6.1.1 छात्र लोकनिकेँ विषय-वस्तु बुझबामे मदति करबाक लेल ओकरा बीच खुलल वार्तालापक सुविधा प्रदान करब।	6.1.2 छात्र लोकनिकेँ विभिन्न विषय पर अपन दृष्टिकोण पर प्रश्न करबा, चर्चा करबा आ बहस करबाक लेल प्रोत्साहित करब।	6.1.3 संगी सभक बीच अधिगमक सुविधाक लेल अनेक संरचित आ असंरचित अंतःक्रियाक उपयोगमे संतुलन सुनिश्चित करबामे संगी सभकेँ परामर्श प्रदान करब
एसडी 6.2 विभेदित अनुदेशन/शिक्षण		
विभेदित अनुदेशन/अध्यापन पद्धतिक स्पष्ट समझ प्रदर्शित	**छात्र लोकनिकेँ अधिगममे संलग्न करबाक लेल विभेदित**	**छात्र लोकनिक सहभागिता बढ़एबाक लेल विकासात्मक रूपसँ**

करब आ अधिगममे छात्रक भागीदारी बढ़एबामे ओकर भूमिकाकेँ देखाएब	अनुदेशक अनुप्रयोग	उपयुक्त विभेदित गतिविधि आ रणनीति सभकेँ बनएबामे सहकर्मी लोकनिकेँ परामर्श देब
6.2.1 पाठ्यक्रमक उद्देश्यकेँ संबोधित करबाक लेल शिक्षण-अधिगम विधि आ रणनीतिक संयोजनक उपयोग करब।	6.2.3. समूहक भीतर अलग-अलग अधिगमक आवश्यकता वला शिक्षार्थीक लेल अलग-अलग प्रश्न/गतिविधि निर्धारित करब जाहिसँ शिक्षार्थी लोकनिकेँ उचित रूपसँ चुनौती देल जा सकए।	6.2.5. छात्र लोकनिकेँ स्वयं अपन दृष्टिकोण व्यक्त करबाक लेल पर्याप्त स्थानक संग नियमित रूपसँ विभेदित निर्देश रणनीतिक उपयोग करब।
6.2.1. सभ शिक्षार्थीकेँ विचारशील आ सुविचारित प्रतिक्रिया देब	6.2.2. समूहक भीतर अलग-अलग अधिगमक आवश्यकता वला शिक्षार्थीक लेल अलग-अलग प्रश्न/गतिविधि निर्धारित करब जाहिसँ शिक्षार्थी लोकनिकेँ उचित रूपसँ चुनौती देल जा सकए।	6.2.3. छात्र लोकनिकेँ स्वयं अपन दृष्टिकोण व्यक्त करबाक लेल पर्याप्त स्थानक संग नियमित रूपसँ विभेदित निर्देश रणनीतिक उपयोग करब।
एसडी 6.3-आलोचनात्मक सोच, रचनात्मक सोच आ उच्च-स्तरीय सोच कौशल सन जीवन कौशल विकसित करबाक लेल पद्धति आ उपकरण		
सामान्य अध्यापन पद्धति केर गंभीर समझ देखाएब जे आलोचनात्मक आ रचनात्मक सोच वा आन उच्च-स्तरीय सोच कौशल विकसित करैत अछि।	**एहन कौशल विकसित करबाक लेल उपयुक्त अध्यापन पद्धतिक उपयोग करब**	**एहि क्षेत्रमे हालक विकासक ज्ञानक आधार पर नव शैक्षणिक रणनीति बनाएब**
6.3.1. कक्षाक गतिविधिक उपयोग करब जे बच्चा सभकेँ दैनिक जीवनक समस्या पर अवधारणाकेँ लागू करबामे मदति करैत अछि। 6.3.2. किछु कक्षा गतिविधि	6.3.3. कक्षा शिक्षणक भागक रूपमे बच्चा सभकेँ नियमित रूपसँ विश्लेषण आ पूछताछक लेल अवसर प्रदान करब। 6.3.4. दैनन्दिन कक्षा गतिविधिमे सामाजिक संपर्क, संप्रेषण आ	6.3.5. विशिष्ट विषय वा सभ विषयक लेल आलोचनात्मक सोच, अन्वेषण, प्रश्न पूछब, चिंतन आदिकेँ सुविधाजनक बनएबाक लेल शैक्षणिक दृष्टिकोण तैयार करब। 6.3.6. नियमित रूपसँ व्यक्तिगत

(जेना, ध्यान, परिभ्रमण समय आदि) शामिल करब जे सामाजिक-भावनात्मक आवश्यकताकेँ संबोधित करैत अछि।	सहयोग सन सामाजिक-भावनात्मक कौशल विकासकेँ सक्रिय रूपसँ एकीकृत करब।	छात्र लोकनिक सामाजिक-भावनात्मक आवश्यकताक जाँच करब आ ओकरा संबोधित करब
विषय-क्षेत्र 7: अधिगम योजना		
प्रवीण शिक्षक	**उन्नत शिक्षक**	**विशेषज्ञ शिक्षक**
एसडी 7.1-अधिगमक लक्ष्य आ उद्देश्य		
मापन योग्य आ प्राप्त करबा योग्य शिक्षण लक्ष्य आ उद्देश्यक समझ	**पाठ्यचर्या संरचनाक अनुरूप विषयक लेल मापन योग्य आ प्राप्त करबा योग्य शिक्षण लक्ष्य आ उद्देश्य बनाएब।**	**उच्च अपेक्षा मिर्धारित करब आ चुनौतीपूर्ण मुदा प्राप्त करबा योग्य लक्ष्य विकसित करबा, छात्र लोकनिक विभिन्न आवश्यकताकेँ पूरा करबा आ ओकर समग्र विकास पर विचार करबाक क्षमता**
7.1.1. व्यापक उद्देश्यकेँ ध्यानमे राखैत पाठ-योजना तैयार करब आ गतिविधि आ आकलनकेँ अधिगमक परिणामक संग उचित रूपसँ जोड़ब।	7.1.2.विषयक लक्ष्य आ उद्देश्यकेँ प्राप्त करबाक लेल अधिगमक परिणामकेँ तैयार करब	7.1.3.जखन आवश्यक होमए, तखन विशिष्ट शिक्षण परिणामकेँ संबोधित करैत, स्थानीय संदर्भ आ शिक्षार्थी लोकनिक आवश्यकताक अनुरूप पाठ आ रणनीतिकेँ प्रासंगिक बनाएब।
एसडी 7.2-अधिगम अनुभवक योजना बनाएब		
कोनो विशेष शिक्षण उद्देश्यक लेल शिक्षण योजना विकसित करबाक क्षमता	**व्यक्तिगत शिक्षार्थीक आवश्यकताकेँ शामिल करैत विभेदित शिक्षण योजना बनाएब**	**पाठ्यक्रमक आधार पर अंतर-संबंधित शिक्षण योजनाक शृंखला बनएबाक क्षमता**
7.2.3. सामग्री, परिणाम, गतिविधि आ मूल्यांकन रणनीतिक संग विस्तृत पाठ योजना विकसित करब।	7.2.4. ओहि शिक्षार्थीक लेल विशिष्ट गतिविधि आ संसाधनक योजना बनाएब जेकरा अतिरिक्त सहायताक आवश्यकता होइत	7.2.5. पाठ योजना बनाएब जे बच्चा लोकनि द्वारा अधिगमक तरीकाक संगं-संग पछिला कक्षामे ओकर अधिगमक आधार पर आवधारणा आ अध्यायकेँ क्रमिक रूपसँ

	अछि (जेना, कठिनाईसँ पढ़एवला छात्रक लेल सरल पाठ्य-सामग्री)।	व्यवस्थित करब।
क्षेत्र 8: अधिगमक लेल, अधिगमक रूपमे आ अधिगमक मूल्यांकन		
प्रवीण शिक्षक	**उन्नत शिक्षक**	**विशेषज्ञ शिक्षक**
एसडी 8.1-मूल्यांकन पद्धति		
विभिन्न प्रकारक मूल्यांकन पद्धति आ उपकरणक समझ	**छात्र लोकनिक अधिगमक आवश्यकताक आधार पर उपयुक्त मूल्यांकन पद्धतिक चयन करब।**	**संगठनात्मक, राज्य आ राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन पद्धतिक ज्ञान प्रदर्शित करब**
8.1.2. शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाक दौरान छात्र लोकनिसँ खुलल प्रश्न पूछब।	8.1.3 छात्र लोकनिक अधिगमक आवश्यकताक अनुसार नियमित रूपसँ कैक प्रकारक तरीकाक उपयोग करब, जेना, प्रोजेक्ट, प्रस्तुतीकरण, पोर्टफोलियो, प्रयोग, क्विज, सर्वेक्षण, केस स्टडीज आदि। 8.1.4 छात्र लोकनिक संग वार्तालाप आरंभ कए ई पता लगाएब जे ओ कोनो देल गेल विषयक संबंधमे की जानैत अछि।	8.1.5 प्रासंगिक नीति दस्तावेजमे अनुसंशित कक्षामे मूल्यांकनक सर्वोत्तम तरीकाकेँ लागू करब। 8.1.6 कक्षामे अधिगमक लेल अधिगमक रूपमे मूल्यांकनकेँ सक्रिय रूपसँ शामिल करब।

एसडी 8.2-मूल्यांकन डेटा		
मूल्यांकन डेटाक संबंधमे छात्र लोकनिक संबंधमे जानकारी प्राप्त करब	**लक्ष्य निर्धारित करब आ शिक्षण योजना बनएबाक लेल मूल्यांकन डेटाक उपयोग करब**	**छात्र/कक्षाक प्रदर्शनक समेकित दृश्य बनएबाक लेल कैक स्रोतसँ डेटाक लाभ उठाएब आ उचित सुधारक माध्यमसँ अधिगमक समर्थन करब**
8.2.1 कक्षा परिणाममे सामान्य मुद्दा आ वैकल्पिक अवधारणाक पहिचान करब आ ओकरा संबोधित करबाक लेल मूल्यांकन डेटाक उपयोग करब।	8.2.2 छात्र लोकनिक विशिष्ट शिक्षण आवश्यकताक अनुरूप पाठ योजना आ शिक्षण पद्धतिकेँ पर्याप्त रूपसँ संशोधित करबाक लेल मूल्यांकन डेटाक उपयोग करब।	8.2.3 निर्देश आ नियोजनमे सुधारक क्षेत्रक पहिचान करबाक लेल कैक आकलनक उपयोग क' कए एकत्रित छात्र अधिगम केर जानकारीकेँ संश्लेषित करब। 8.2.4 निर्देश आ नियोजनमे सुधारक क्षेत्रक पहिचान करब, आ विशिष्ट हस्तक्षेपक योजना बनाएब।
एसडी 8.3-संप्रेषण आ पृष्ठपोषण		
छात्र वा अभिभावक आ देखभाल करएवलाक संग छात्र प्रदर्शन डेटाक संप्रेषण करब।	**छात्रक प्रदर्शन पर विशिष्ट प्रतिक्रिया छात्रक माता-पिता आ देखभाल करएवलाक संग साझा करब।**	**छात्रक शिक्षाक मार्गदर्शन करबामे माता-पिता आ समुदायक सदस्यक संग सहयोग करब।**
8.3.1 . छात्रक कार्यक जाँच करैत काल ओकर उत्तर पर प्रतिक्रिया दैत काल ओकरा विशिष्ट गुणात्कमक प्रतिक्रिया देब। 8.3.2 विद्यालय द्वारा आयोजित पीटीए बैसारक दौरान मुख्य रूपसँ ओकर अंक आ कक्षामे भागीदारीक संदर्भमे माता-पिता आ देखभाल करएवलाक संग बच्चाक प्रदर्शन पर चर्चा करब।	8.3.3 नियमित आधार पर सुधारक लेल विशिष्ट सुझावक संग व्यक्तिगत छात्रकेँ ओकर स्वयं केर प्रदर्शन पर विस्तृत प्रतिक्रिया प्रदान करब। 8.3.4 छात्रक प्रदर्शन पर माता-पिता/देखभाल करएवलाक संग विशिष्ट आ विस्तृत प्रतिक्रिया साझा करब।	8.3.5 छात्र लोकनिकेँ स्वयं आ संगी सभक मूल्यांकनकेँ सक्षम क' कए ओकर प्रदर्शन पर चिंतन करबाक लेल सक्रिय रूपसँ प्रोत्साहित करब। 8.3.6 माता-पिता/देखभाल करएवलाकेँ घर पर अपन बच्चाक शिक्षाक समर्थन करबाक तरीकाक संबंधमे विशिष्ट आ सुविचारित मार्गदर्शन प्रदान करब

विषय-क्षेत्र 9: शिक्षामे प्रौद्योगिकीक उपयोग आ एकीकरण		
प्रवीण शिक्षक	**उन्नत शिक्षक**	**विशेषज्ञ शिक्षक**
शिक्षामे प्रौद्योगिकी केर भूमिकाकेँ बुझब	**शिक्षण-अधिगम, मूल्यांकन आ कक्षा प्रबंधनक समर्थन करबाक लेल आईसीटी उपकरणक उपयोग करब।**	**स्वयं आ सहकर्मी लोकनिक लेल शिक्षण-अधिगमकेँ समर्थन देबाक लेल उपयुक्त तकनीकी संसाधनक निर्माण करब**
9.1 उपयुक्त आईसीटी संसाधनक पहिचान करब जे विशिष्ट अवधारणा सभकेँ पढ़एबाक प्रभावशीलतामे सुधार क' सकैत अछि।	9.2 शिक्षण पद्धतिक संग-संग मूल्यांकन पद्धतिकेँ रचनात्मक रूपसँ संशोधित करबाक लेल मौजूदा आईसीटी संसाधनकेँ प्रभावी ढंगसँ अनुकूलित करब।	9.3 स्वयं केर संग-संग संगी लोकनिक शिक्षण-अधिगम गतिविधिकेँ समर्थन देबाक लेल स्वयंकेँ आईसीटी संसाधनक निर्माण करब।
विषय-क्षेत्र 10: कक्षा घटक आ गतिशीलता		
प्रवीण शिक्षक	**उन्नत शिक्षक**	**विशेषज्ञ शिक्षक**
एसडी 10.1 – सुरक्षित, पोषित आ सहायक अधिगम वातावरण		
सुरक्षित आ समावेशी कक्षा बनएबाक लेल सुविधा आ संसाधनकेँ व्यवस्थित करब	**एक समावेशी आ सहायक अधिगम वातावरण स्थापित करब, जाहिमे छात्र लोकनिकेँ बिना कोनो डरक राय साझा करबाक लेल प्रोत्साहन भेटए**	**छात्र लोकनिकेँ एकटा सुरक्षित आ समावेशी कक्षा विकसित करबामे शामिल करब**
10.1.1 कक्षाक कामकाजक लेल दिनचर्या आ प्रतिक्रिया निर्धारित करब।	10.1.3 छात्र लोकनिक सुझावकेँ ध्यानमे राखैत कक्षाक नम्य दिनचर्या निर्धारित करब।	10.1.5 छात्र लोकनि द्वारा स्वामित्व लेबाक संग कक्षाक दिनचर्याकेँ सह-विकसित करब।
10.1.2 तनावमुक्त कक्षा वातावरण सुनिश्चित करब जे छात्र लोकनिक बीच चालि-चलन, संवाद आ संप्रेषणकेँ प्रोत्साहित करैत अछि।	10.1.4 छात्र लोकनिकेँ खुलल तौर पर राय साझा करबा आ प्रासंगिक दिन-प्रतिदिनक मुद्दा (जेना, चिंताक भावना, बदमाशी केर मुद्दा, विश्वास निर्माण आदि) पर चर्चा करबाक लेल प्रोत्साहित करब।	10.1.6 कक्षाक लेल एहन मानदंड सह-निर्मित करब जे सुरक्षित, समावेशी आ समायोजनकारी कक्षाक भावनाकेँ प्रतिबिंबित करैत अछि।

एसडी 10.2 – कक्षा प्रबंधन		
कक्षा प्रबंध दृष्टिकोणक ज्ञान आ ओकर उपयोग करबाक क्षमताक प्रदर्शन करब	**छात्र व्यवहारमे विविधताकेँ बुझब आ ओकरा समायोजित करब**	**छात्र लोकनिमे आत्मानुशासन, व्यक्तिगत जिम्मेदारी आ नेतृत्व विकसित करब (आदर्श)**
10.2.1 कक्षामे स्वयं केर नियम आ मानदंड निर्धारित करब आ प्रासंगिक समय पर छात्रक व्यवहारक जाँच आ सुधार करब।	10.2.2 छात्रक व्यवहारकेँ ओकर संदर्भसँ जोड़ब आ उचित तरीकासँ प्रतिक्रिया करब।	10.2.3 छात्र लोकनिक संग लोकतांत्रिक तरीकासँ अपेक्षाक सह-विकास करब आ ओकरा स्वयं एहि अपेक्षाक संबंधमे तर्क करबाक लेल प्रोत्साहित करब।
10.3 – प्रभावी कक्षा संचार		
विभिन्न मौखिक आ गैर-मौखिक कक्षा संप्रेषण पद्धतिकेँ बुझबाक क्षमता विकसित करब	**अधिगमकेँ सहभागी बनएबाक लेल विभिन्न मौखिक आ गैर-मौखिक कक्षा संप्रेषण पद्धतिक उपयोग करब आ ओकरा पर प्रतिक्रिया देब।**	**सहकर्मी लोकनिकेँ कक्षामे संप्रेषण सुधारबामे सहायता/मार्गदर्शन देबाक लेल रचनात्मक प्रतिक्रिया देब**
10.3.1 उचित मौखिक आ गैर-मौखिक संप्रेषण रणनीति जेना आँखिसँ संपर्क, इशारा, संकेत आदिक प्रदर्शन करब।	10.3.2 छात्र लोकनिक भागीदारी केँ प्रोत्साहित करबाक लेल विभिन्न उपयुक्त मौखिक आ गैर-मौखिक संप्रेषण रणनीति केर उपयोग करब 10.3.3 व्यक्तिगत छात्रक गैर-मौखिक संप्रेषणक व्याख्या करब आ अधिगमक दौरान अपन स्वयं केर संप्रेषण रणनीतिमे उचित समायोजन करब।	10.3.4 प्रभावी कक्षा संप्रेषण रणनीतिकेँ लागू करबामे सहकर्मी लोकनिकेँ सलाह देब।
एसडी 10.4 – भाषाई विविधता एवं बहुभाषिकता		
भाषा विविधता आ प्रासंगिक भाषा सभमे प्रवीणताक अछैत सभ बच्चाक प्रति समावेशिता प्रदर्शित करब।	**कक्षामे शिक्षण आ अधिगमकेँ सुविधाजनक बनएबाक लेल बहुभाषिकताक उपयोग करबामे सहकर्मी लोकनिक समर्थन करब।**	**सहकर्मी लोकनिक बीच शिक्षण आ अधिगमकेँ सुविधाजनक बनएबाक लेल बहुभाषिकताक उपयोगक समर्थन करब।**

10.4.1 कक्षामे पढौनीक दौरान आवश्यकतानुसार अधिगम माध्यम आ स्थानीय भाषाक बीच स्विच करब।	10.4.2 भाषाई रूपसँ विविधतापूर्ण कक्षामे अपनाओल गेल रणनीति पर सहकर्मी लोकनिकेँ सलाह देब।	10.4.3 अभ्यासक माध्यमसँ, लेख लिखिकए, सहकर्मी समूह चर्चा आदिक माध्यमसँ कक्षामे बेहतर अधिगमक लेल बहुभाषी शिक्षणक आवश्यकताकेँ प्रदर्शित करब।

मानक 3: व्यावसायिक प्रगति आ विकास

क्षेत्र 11: अधिगमक आवश्यकता		
प्रवीण शिक्षक	**उन्नत शिक्षक**	**विशेषज्ञ शिक्षक**
अधिगमक आवश्यकता केर पहिचान करब आ अपन व्यावसायिक विकासक लेल लक्ष्य निर्धारित करब।	**हितधारक लोकनिसँ प्राप्त सुझावक आधार पर एक व्यावसायिक विकास योजना बनाएब।**	**सहकर्मी लोकनिक लेल व्यावसायिक विकासक अवसरक योजना बनाएब आ ओकरा प्रदान करब।**
11.1 विकासक व्यापक क्षेत्रकेँ संबोधित करबाक लेल योजनाक पहिचान करब। 11.2 विशिष्ट शिक्षण आवश्यकताक लेल कार्यशाला, बैसार, प्रशिक्षण, सेमिनार, सम्मेलन आदिक खोज करब।	11.3 विकासक क्षेत्रकेँ संबोधित करबाक लेल कार्रवाई अनुसंधान वा अन्य सुरक्षात्मक उपाय करब। 11.4 लेख, पुस्तक अध्याय, पुस्तक, समीक्षित प्रकाशन आदि लिखबामे सहकर्मीकेँ योगदान देब।	11.5 परामर्शदाता लोकनि अपन संगीक अधिगम संबंधी आवश्यकताक पहिचान करैत छथि एवं एहि आवश्यकताक पूर्तिक लेल उपयुक्त उपायक योजना बनबैत छथि। 11.6 पत्रिका आदिक लेल लेख लिखबा आ क्रियात्मक अनुसंधान करबामे सहकर्मी लोकनिकेँ परामर्श प्रदान करब।
क्षेत्र 12: चिंतन क्षमता		
प्रवीण शिक्षक	**उन्नत शिक्षक**	**विशेषज्ञ शिक्षक**
चिंतन क्षमताक अनुप्रयोग करब	**स्वयं केर शिक्षण अभ्यासकेँ संशोधित करबाक हेतु चिंतन करब**	**सहकर्मी लोकनिकेँ चिंतन क्षमताक प्रयोग करबाक लेल सहायता वा मार्गदर्शन देब**
12.1 अपन अभ्यासक सकारात्मक पक्ष आ कमी पर चर्चा करब। 12.2 व्यक्तिगत छात्रक सकारात्मक पक्ष आ कमी	12.3 विद्यार्थी लोकनिक अधिगमक आवश्यकताक अनुरूप योजना आ कक्षा रणनीति पर विचार-विमर्शक दस्तावेजीकरण	12.5 चिंतन अभ्यासमे सहकर्मी लोकनिकेँ परामर्श प्रदान करब। 12.6 सतत अधिगमक लेल सहकर्मी सहायता समूह बनएबाक पहल करब।

पर चर्चा करैत करब।	करब। 12.4 कक्षामे बेहतर शिक्षण-अधिगमक लेल अभ्यासमे बदलाव लएबाक लेल अपनाओल गेल विविध दृष्टिकोण प्रस्तुत करब।	
विषय-क्षेत्र 13: शिक्षण समुदायमे संलग्नता एवं सहभागिता		
प्रवीण शिक्षक	**उन्नत शिक्षक**	**विशेषज्ञ शिक्षक**
विद्यालयक अंदर आ बाहर अधिगमक अवसरमे भाग लेब।	**अपन शोध एवं अधिगमकेँ सम्मेलन, सेमिनार वा वेबिनारमे प्रस्तुत करब।**	**विद्यालयक भीतर शिक्षण समुदायक शुरूआत करब आ व्यावसायिक विकास सत्रक आयोजन करब।**
13.1 विद्यालयक अंदर आ बाहर साझा अधिगमक अवसरक लेल विभिन्न स्रोतक उपयोग करब/विभिन्न प्लेटफार्ममे भाग लेब। 13.2 व्यावसायिक शिक्षा आ जिज्ञासाकेँ बढ़ावा देबए वला प्रासंगिक कार्यक्रममे अधिकतर भागीदारी वा पर्यवेक्षक केर हैसियतसँ भाग लेब।	13.3 राज्य स्तरीय सम्मेलन/सेमिनारमे नियमित रूपसँ अपन सीख, कक्षा प्रयोग आदिक प्रस्तुतीकरण। 13.4 राष्ट्रीय सम्मेलन/सेमिनारमे नियमित रूपसँ अपन स्वयं केर अनुभव, कक्षा प्रयोग आदिक प्रस्तुतीकरण।	13.5 सहकर्मी लोकनिक शिक्षाकेँ बढावा देबाक लेल संयुक्त रूपसँ कार्यशाला, बैसार, प्रशिक्षण, सेमिनार, सम्मेलन आदिक आयोजन करब। 13.6 पड़ोसी विद्यालयक शिक्षक लोकनिक एक विस्तारित शिक्षण समुदायक विकासक दिशामे काज करब।

7. एनपीएसटी पर आधारित राष्ट्रीय शिक्षक गुणवत्ता केन्द्र (एनसीटीक्यू) केर लेल डिजिटल अवसंरचना योजना

एनपीएसटी केर कार्यक्षेत्र पर सुझावात्मक घटक

- **एनपीएसटी पोर्टल निर्माण**

शिक्षक कोष, अधिगम रिपोजिटरी, विश्वसनीय प्रबंधन, एनपीएसटी (स्वयं आ प्रशिक्षित)केर लेल मूल्यांकन, कार्यान्वयनक लेल एनपीएसटी डिजिटल योजना, संस्थान आ कार्यक्रम प्रबंधन, दीक्षा/निष्ठाक संग स्व-शिक्षण सेवा, अधिगम/प्रशिक्षण/सीपीडी केर साक्ष्यक लेल रिपोजिटरी, प्रत्येक विषय-क्षेत्र आ मानकमे शिक्षकक समझक दायराकेँ बढएबाक लेल शिक्षकक हेतु ई-पोर्टफोलियो केर निर्माण, शिक्षकक लेल विभिन्न दक्षता पर ओकर अंक आ प्रदर्शनकेँ पुनः प्राप्त करबाक लेल तंत्र, स्व-मूल्यांकन उपकरण, शिक्षकक रिकार्डक डेटाबेस आदि विकसित करब।

- **एनपीएसटी कार्यान्वयन आ निगरानी सॉफ्टवेयर**
  - राज्य आ राष्ट्रीय स्तर पर एनपीएसटी केर कार्यान्वयनक लेल सतत निगरानी प्रणाली
  - शिक्षकक सतत व्यावसायिक विकास पर निरंतर निगरानी
  - शिक्षकक परामर्शक लेल डिजिटल मंच
  - सतत व्यावसायिक विकासक लेल स्व-गति पाठ्यक्रम
  - वेब आ ऐप आधारित शिक्षण समाधान
  - राष्ट्रीय ज्ञान-कोषक निर्माण
  - सेवारत शिक्षक
  - सेवा-पूर्व शिक्षक
  - अधिगमक साक्ष्य केर निगरानी राखब
- सामग्री प्रबंधन आ डेटा साझाकरण
- डिजिटल प्रबंधन आ कनेक्टिविटी
  - लक्षित समूह/हितधारक लोकनिक संग तत्काल संचारक लेल डिजिटल कांफ्रेंसिंग मंच

चित्र 6: एनपीएसटी पर आधारित एनसीटीक्यू केर डिजिटल आधारभूत योजनाक चित्रण

चित्र 7: डिजिटल योजना पर चित्रण

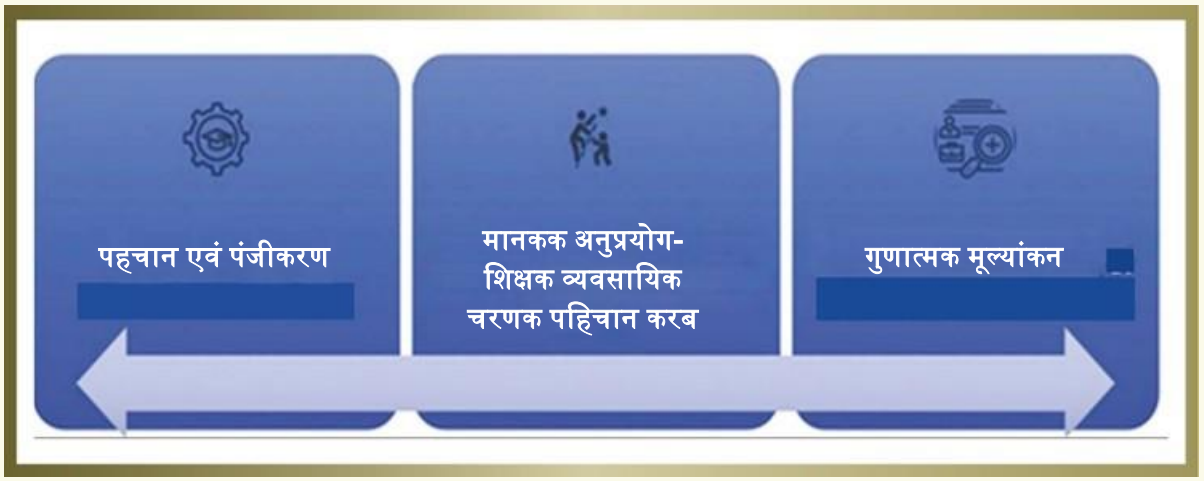

चित्र 8: प्रारंभिक (पायलट) अध्ययन कार्यान्वयन पर चित्रण

चित्र-सूची

क्र. सं.	चित्र	पृष्ठ
1.	शिक्षकक तत्परताक चित्रण	7
2.	व्यावसायिक मानक आ योग्यता पर चित्रण	12
3.	मुख्य मूल्य आ नैतिकता पर चित्रण	13
4.	ज्ञान आ शिक्षण-अभ्यास पर चित्रण	14
5.	व्यावसायिक प्रगति आ विकास पर चित्रण	14
6.	एनपीएसटी पर आधारित एनसीटीक्यू केर डिजिटल आधारभूत योजना पर चित्रण	37
7.	डिजिटल योजना पर चित्रण	38
8.	प्रारंभिक (पायलट) अध्ययन कार्यावन्वयन पर चित्रण	38

संक्षेपाक्षर

एसीआर	वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट
एपीआर	वार्षिक निष्पादन मूल्यांकन
सीपीडी	सतत व्यावसायिक विकास
डीआईईटी	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
डीपीईपी	जिला प्राथमिक शिक्षा परियोजना
एफएलएन	मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता
जीओआई	भारत सरकार
आईसीटी	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी
आईएनएसईटी	सेवाकालीन शिक्षा एवं प्रशिक्षण
जेएनवीएस	जवाहर नवोदय विद्यालय समिति
केवीएस	केन्द्रीय विद्यालय संगठन
एमओई	शिक्षा मंत्रालय
एनसीटीई	राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद
एनसीईआरटी	राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
एनसीएफटीई	शिक्षकक शिक्षाक लेल राष्ट्रीय पाठ्यक्रमक रूपरेखा
एनसीटीक्यू	राष्ट्रीय शिक्षक गुणवत्ता केन्द्र
एनईपी 2020	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एनआईईपीए	राष्ट्रीय शैक्षिक योजना आ प्रशासन संस्थान
एनपीएसटी	शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक
एनएमएम	राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशन
पीआई	कार्य निष्पादन संकेतन
पीएसटीई	सेवापूर्व शिक्षक शिक्षा
आरआईई	क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
आरपीएल	पूर्व शिक्षाक मान्यता
आरटीई	शिक्षाक अधिकार
एससीईआरटी	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
एसएसए	सर्व शिक्षा अभियान
टीईआई	शिक्षक शिक्षा संस्थान
टीईपी	शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम
टीईटी	शिक्षक पात्रता परीक्षा

ग्रंथ-सूची

- Australian Institute for Teaching and School Leadership. (2018). Australian Professional Standards for Teachers. https: /www.aitsl.edu.au/docs/default-source/national-policy-framework/australian-professional-standards-for-teachers.pdf
- Department of Education. (2021). Teachers' Standards: Guidance for School Leaders, School Staff and Governing Bodies. https://assets.publishing.service.gov.uk/government/uploads/system/uploads/attachment_data/file/1040274/TeachersStandards_Dec_2021.pdf
- Education International and UNESCO. (2019). Global Framework of Professional Teaching Standards. https://issuu.com/educationinternational/docs/2019_ei-unesco_framework
- Government of India (2020a). National Education Policy 2020. https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.pdf
- Government of India. (2022b). The constitution of India. https: /cdnbbsr.s3waas.gov.in/s380537a945c7aaa788ccfcdf1b99b5d8f/uploads/2023/05/2023050195.pdf
- National Commission on Teachers. (1986). The Teacher and Society: Report of the National Commission on Teachers-I.
- National Council for Teacher Education. (2009). National Curriculum Framework for Teacher Education. New Delhi: NCTE.
- National Council of Educational Research and Training. (2005). National Curriculum Framework 2005. NCERT.
- National Council of Educational Research and Training. (2019). Teacher's Self-Assessment. https://ncert.nic.in/pdf/announcement/TSAR.pdf
- National Qualifications Authority. (2021). Teacher Standards for the UAE. https://tls.moe.gov.ae/Downloads/SNSC%20standards%20teachers%20English.pdf
- The Right to Free and Compulsory Education Act. (2009). (Gazette Extraordinary), Ministry of Law and Justice, Government of India, New Delhi. https: /righttoeducation.in/sites/default/files/Right%20of%20Children%20to%20Free%20and%20Compulsory%20Education%20Act%202009%20(English).pdf
- Verma, J.S. (2013). Report of the Committee on Amendments to Criminal Law, 2013. New Delhi. https://adrindia.org/sites/default/files/Justice_Verma_Amendmenttocriminallaw_Jan2013.pdf

स्वत्वाधिकार

ई दस्तावेज आ एहिमे वर्णित सभ प्रक्रिया राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषदक बौद्धिक संपदा अछि आ स्वत्वाधिकार द्वारा संरक्षित अछि।

स्वत्वाधिकार सुरक्षित

Language consultancy and translation facilitated by
National Translation Mission
Central Institute of Indian Languages, Mysore

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद

(भारत सरकारक एक सांविधिक निकाय)

National Council for Teacher Education

(A Statutory Body of the Government of India)